लखनऊ शुक्रवार, 25 सितंबर 2026
वर्ष0 : 21
अंक : 344
पृष्ठ : 8
राजधानी संस्करण
मूल्यः 2-00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

THE POWER OF TRUTH

हिंदी दैनिक

lokhastakshep.com

खेल

भारत ए महिला क्रिकेट टीम को दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ए ने दो विकेट से हराया.....7

लोगों का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ऊर्जा : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि लोगों से मिलने वाला आशीर्वाद उनके सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी ऊर्जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी लोगों के इसी आशीर्वाद के सहारे आगे बढ़ी है। पीएम मोदी ने यह बात गुजरात के वडनगर से उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक निकाली जा रही 'सेवा संकल्प यात्रा' में शामिल प्रतिभागियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद के दौरान कही। कार्यक्रम में यात्रा से जुड़े प्रतिभागी मध्य प्रदेश के देवास में मौजूद थे। यह संवाद ऐसे समय हुआ है जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार राजनीतिक सवाल उठाए जा रहे हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने 23 सितंबर को कहा था कि ैस् समेत उसके फैसले पूर्ण आयोग के सर्वसम्मत निर्णय हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा भाव से किए गए कामों को लोग लंबे समय तक याद रखते हैं और सेवा करने वालों को जनता का आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने कहा कि उनके लिए भी लोगों का आशीर्वाद सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी ताकत रहा है। मोदी ने 'सेवा यात्रियों' से लोगों की सेवा को अपना मुख्य उद्देश्य बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सत्ता कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाए, राजनीति और शासन का मूल भाव सेवा से जुड़ा रहना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात से दिल्ली तक सेवा उनकी शासन व्यवस्था और संस्कारों का मूल भाव रही है। उन्होंने 'नागरिक देवो भव' की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि जब शासन के केंद्र में सेवा होती है, तो नीतियों के केंद्र में नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पद या सत्ता का स्तर चाहे जितना ऊंचा हो, सेवा के रास्ते से विचलित नहीं होना चाहिए। 'सेवा संकल्प' से जुड़े कार्यक्रमों में भी सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राजनीति अपनी जगह है, चुनाव अपनी जगह और शासन व्यवस्था अपनी जगह, लेकिन उनका लक्ष्य राष्ट्र निर्माण है।

आयुक्त ज्ञानेश कुमार का यूपी दौरा रद्द

CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। SIR विवाद के बीच, कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त (ष्टश्वष्ट) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ गुरुवार को महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए विपक्षी दलों से संपर्क किया है। समाचार एजेंसी ह्ढ्ढ के हवाले से पार्टी सूत्रों ने कहा, 'विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों में ष्टश्वष्ट ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का नोटिस पेश करेंगे। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर विपक्षी दलों से बात की है। इसे अगले दो हफ्तों के भीतर पेश किया जाएगा।'

इसके अलावा, कांग्रेस ने अपनी राज्य इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे 25 सितंबर को अपने-अपने राज्य के चुनाव आयोग कार्यालयों तक विरोध मार्च निकालें और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी और उन्हें पद से हटाने की मांग करें।

विवादों के बीच मुख्य चुनाव

उधर एसआईआर को लेकर उठे विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मेरठ और वाराणसी का अपना दौरा रद्द कर दिया है। 25 को मेरठ और 28 सितंबर को वाराणसी में ज्ञानेश कुमार का जेन-जी से संवाद कार्यक्रम था।

भारत निर्वाचन आयोग के भीतर मतभेद और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर उठे सवालों के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का उत्तर प्रदेश में मेरठ और वाराणसी का प्रस्तावित कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। मेरठ में शुक्रवार 25 सितंबर को निर्वाचक साक्षरता क्लब (ईएलसी 2.0) एवं ईसीआइनेट का क्षेत्रीय सम्मेलन और युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम होना था। वाराणसी में भी 28 सितंबर को वह जेन-जी के साथ संवाद करने वाले थे। फिलहाल अब दोनों ही कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं । अचानक दौरा कैंसिल होना प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है।

फिलहाल यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और एसआइआर को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। पिछले दिनों प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में 14 से अधिक बार फैसलों और आदेशों पर लिखित में आपत्ति दर्ज कराई है। दावा किया गया है कि संधू व जोशी की जानकारी के बिना ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कई फैसले लिए और आदेश जारी किए गए। इसको लेकर विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देने की मांग कर रहे है। फिलहाल आयोग यह सफाई दे रहा है कि आंतरिक विचार-विमर्श में अलग-अलग मत होना असामान्य नहीं है।

बीते अगस्त महीने में मुख्य चुनाव आयुक्त ने जेन-जी से संवाद किया था । उनसे निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची, मतदान और आयोग की कार्यप्रणाली से जुड़ी जानकारी साझा की थी। इसके साथ ही ईएलसी 2.0 की शुरुआत की गई थी। आयोग की योजना इसके बाद मेरठ और वाराणसी में क्षेत्रीय स्तर पर अभियान को आगे बढ़ाने की थी। पहले दो-दो दिनों के कार्यक्रम दोनों ही शहर में रखे गए थे, किंतु बाद में इन्हें घटाकर एक-एक दिन कर दिया गया था।

नोएडा में AC बस में भीषण आग, 9 यात्रियों की मौत; कई शवों की पहचान मुश्किल

नयी दिल्ली एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। जेवर एयरपोर्ट से करीब 500 मीटर दूर दिल्ली-आगरा लेन पर चल रही एक प्राइवेट स्लीपर AC बस में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे में 9 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई यात्रियों ने खिड़कियों के शीशे तोड़कर किसी तरह अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात करीब 9:30 बजे महोबा के लिए रवाना हुई थी। हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ। बस में करीब 35 यात्री सवार थे। आग इतनी तेजी से फैली कि यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री खिड़कियों के शीशे तोड़कर बस से बाहर कूदे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझाने के बाद फायरकर्मियों ने बस के पिछले हिस्से को काटकर अंदर फंसे शवों को बाहर निकाला। शव बुरी तरह झुलस जाने के कारण उनकी पहचान करने में मुश्किल आ रही है।बस में लगी भीषण आग में 8 पुरुष और एक महिला समेत 9 यात्रियों की मौत हुई है। आग की वजह से शव बुरी तरह जल गए हैं। पुलिस ने शवों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परिजन अपने लापता परिजनों की तलाश में अस्पतालों और पोस्टमार्टम हाउस के चक्कर लगा रहे हैं।

प्रारंभिक जांच में बस के AC में स्पार्क या ब्लास्ट के बाद इंजन में आग लगने की आशंका जताई जा रही है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार के मुताबिक शुरुआती जांच में आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हालांकि हादसे की पूरी वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।हादसे का शिकार हुई बस राज कल्पना ट्रैवल्स की बताई जा रही है और बस मध्य प्रदेश की है। पुलिस ने मामले में ड्राइवर पवन और कंडक्टर योगेश को हिरासत में लिया है। पुलिस बस में सुरक्षा इंतजाम और आग लगने के बाद ड्राइवर द्वारा उठाए गए कदमों की भी जांच कर रही है। एक यात्री ने आरोप लगाया कि आग लगने के बाद ड्राइवर ने तत्काल बस नहीं रोकी। यात्रियों द्वारा खिड़कियों के शीशे तोड़ने के बाद बस रोकी गई। हालांकि हादसे की वास्तविक वजह और ड्राइवर की भूमिका को लेकर पुलिस की जांच जारी है।प्रत्यक्षदर्शी यात्री रिंकी राजपूत के मुताबिक हादसे के समय ज्यादातर यात्री सो रहे थे। अचानक बस के अंदर धुआं भर गया और चीख-पुकार मच गई।

अखिलेश यादव ने रायबरेली से शुरु की अपनी 'पीडीए रथयात्रा'

'अबकी बार वोट का बुलडोजर चलेगा: अखिलेश यादव

संवाददाता

रायबरेली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रायबरेली से अपनी 'पीडीए रथयात्रा' की शुरुआत की है। अखिलेश यादव का सपा कार्यकर्ताओं ने बुलडोजर से स्वागत किया। अखिलेश के रोड-शो में पहली बार बुलडोजर नजर आया। वहीं, रायबरेली में अखिलेश यादव ने कहा कि हर तरफ पीडीए की हवा चल रही है और यह चुनाव बीजेपी बनाम पीडीए है। उन्होंने कहा कि इस बार 'वोट का बुलडोजर' चलेगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि जिन छात्रों ने बीजेपी के गुंडों का मुकाबला किया उन नौजवानों का आभार। उन्होंने श्याम सुंदर भारती का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने इस उम्र में भी नौजवानों के साथ खड़े होकर प्रशासन का सामना किया और युवाओं को ऊर्जा दी।

सपा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा

कि हम सकारात्मक राजनीति कर रहे हैं, जबकि बीजेपी नकारात्मक राजनीति करती है। अखिलेश यादव ने कहा कि आज पूरा उत्तर प्रदेश देख रहा है कि पीडीए के इस आंदोलन से बुलडोजर चलाने वाले बचने वाले नहीं हैं। इस बार 'वोट का बुलडोजर' चलेगा और हमेशा के लिए डिमॉलिश कर देगा।अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए के लोग आरक्षण, संस्कृति और हिंदुस्तानियों को बचाने के लिए खड़े हैं और इसके कई उदाहरण हैं. उन्होंने कहा कि हमारे लोधी और पासी विधायकों का अपमान किया गया, हम अपने लोगों का अपमान नहीं होने देंगे।बिना नोटिस के ढाबे गिरा दिए जाते हैं और बिना नोटिस दिए धार्मिक स्थल भी गिरा दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ये नकली हिंदू हैं। काशी में बहुत से मंदिर गिराए गए और घाट तोड़ा गया। सहारनपुर में भी मस्जिद गिराई गई। उन्होंने कहा कि ये लोग भाईचारे को खत्म करना चाह रहे हैं।इसके पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के रायबरेली पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने चुरूवा बॉर्डर से लेकर बछरावां तक जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर अखिलेश के समर्थन में नारे लगाए। मुलायम सिंह यादव के भी नारे गूंजे।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सड़क किनारे जुटे रहे।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रायबरेली पहुंचते ही पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह दिखाई दिया। जिले की सीमा चुरूवा बॉर्डर से प्रवेश करते ही कार्यकर्ताओं ने उनका जगह-जगह स्वागत किया।

हाईटेंशन तार टूटकर खेत में गिरा आधा एकड़ गन्ने की फसल जली

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखीमपुर खीरी। औरंगाबाद पावर हाउस की 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन का जर्जर तार वीरमपुर गांव में टूटकर किसान बृजेश के खेत में गिरा। इससे गन्ने की आधा एकड़ फसल जल गई और किसान को आर्थिक नुकसान हुआ। ग्रामीण विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग की ओर से जर्जर तारों को समय रहते नहीं बदला गया, जिसके चलते हादसा हुआ। ग्रामीणों ने तार बदलने के लिए उपलब्ध कराई गई सामग्री को लेकर ठेकेदार स्तर पर कथित अनियमितता के आरोप भी लगाए हैं। ग्रामीणों ने मामले की जांच कराकर जर्जर विद्युत लाइनों को तत्काल बदलवाने और किसान को हुए फसल नुकसान का मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है।

मछली पकड़ते समय डूबकर युवक की मौत

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखीमपुर खीरी। मोहम्मदी के मूंडा निजाम चौकी क्षेत्र के गांव पड़सर में तालाब पर रात में मछली पकड़ने गया युवक तालाब में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस में शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस के अनुसार गांव पड़सर निवासी नानू सिंह (28) बुधवार की रात 9 बजे करीब गांव के बाहर तालाब में मछली पकड़ रहा था। अचानक गहरे पानी में चले जाने से डूब गया घर वापस न लौटने पर पिता अरविंद कुमार ने तलाश शुरू की देर रात में शव तालाब में उतराते हुए देखा गया था। सूचना पर गुरुवार को चौकी इंचार्ज गौरव सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचकर गांव के लोगों के सहयोग से शव तालाब के बाहर निकाला, जिसे उसके पिता ने शिनाख्त करने पर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मृतक अविवाहित है। ऐसे में वृद्ध माता-पिता का बुढ़ापे के सहारे की लाठी टूट जाने से जीवन यापन के लिए संकट खड़ा हो गया है।

एमएलसी चुनाव में चेतनारायण सिंह होगें माध्यमिक शिक्षक संघ के अधिकृत प्रत्याशी

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। माध्यमिक शिक्षक संघ शिक्षकों को पुरानी पेंशन, समान कार्य-समान वेतन और तदर्थ शिक्षकों के विनियमितिकरण के मुद्दे पर एमएलसी चुनाव लड़ेगा। गुरुवार को संघ के वाराणसी खंड के आठों जिलों की बैठक यूपी कॉलेज के प्राचीन छात्रावास में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रत्याशी और प्रदेश अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने की। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से सभी जनपदों के पदाधिकारियों ने चेतनारायण सिंह को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित करते हुए चुनाव लड़ाने का संकल्प लिया। चुनावी एजेंडा के रूप में पुरानी पेंशन बहाली, समान कार्य-समान वेतन, तदर्थ शिक्षकों के विनियमितीकरण और सेवा सुरक्षा के मुद्दे तय किए गए।

वरुण विहार-नैमिष नगर का सीएम योगी ने किया शुभारंभ

श्वेताभ दुबे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एलडीए लखनऊ डेवलेपमेंट अथॉरिटी की बहुप्रतीक्षित वरुण विहार और नैमिष नगर आवासीय योजना का शुभारंभ सीएम योगी ने भूमि पूजन करके किया। 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से 10,680 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित की जा रही इन दोनों योजनाओं का आज शुभारंभ हुआ। इस मौके पर 2166 करोड़ रुपये से 05 बहुमंजिला आवासीय योजनाओं का शिलान्यास भी किया गया। एलडीए की इस योजना में पहले चरण में 4520 भूखंडों के लिए पंजीकरण 24 अक्तूबर तक होगा। आवंटन लॉटरी से किया जाएगा। भूखंड की पूरी राशि जल्दी जमा करने पर छह प्रतिशत तक छूट मिलेगी। भुगतान 36 मासिक किस्तों में किया जा सकेगा। चार महीने चले इंतजार के बाद बृहस्पतिवार को एलडीए की सीतापुर रोड स्थित नैमिष नगर और आगरा एक्स्रप्रेस-वे के पास स्थित वरुण विहार योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री के हाथों हो गया। इसके साथ ही एलडीए का एक साथ दो योजनाओं को शुरू करने का अपना एक रिकार्ड भी बन गया। पहले एलडीए की एक साथ दो आवासीय योजनाएं लॉन्च नहीं हुई हैं। खास यह भी है कि लॉन्चिंग के दो घंटे के अंदर ही 500 से अधिक लोगों ने पैसा जमा कर फार्म (बुकलेट) भी खरीद डाले। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि नैमिष नगर और वरुण विहार योजना में अभी पहले चरण में कुल 4520 भूखंडों को पंजीकरण खोला गया है। नैमिष नगर में जमीन का रेट 3800 रुपये प्रति वर्ग फीट और वरुण विहार में 2800 रुपये

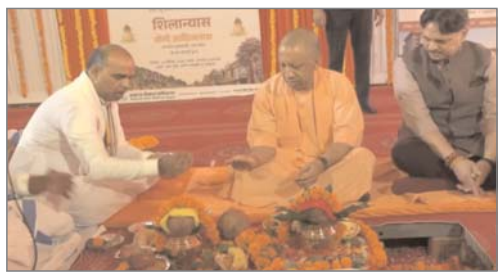

प्रति वर्ग फीट तय किया गया है। पंजीकरण ऑनलाइन एलडीए की वेबसाइट registration.ldalucknow.in पर होगा और बुकलेट के लिए 1100 रुपये अदा करने होंगे। पंजीकरण एक महीने के लिए खोला गया है और यह 24 अक्तूबर तक चलेगा। आवंटन लॉटरी के जरिए किया जाएगा। शाम करीब साढ़े चार बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने एलडीए की नैमिष और वरुण नगर योजना को बटन दबाकर लॉन्च किया, इसके साथ ही योजनाओं क पंजीकरण खुल गया। इसके बाद करीब दो घंट में ही 500 से अधिक लोगों ने योजनाओं के पंजीकरण फार्म पैसा जमा कर खरीद डाले। इससे साफ है लोगों में योजनाओं को लेकर काफी उत्साह है। एलडीए वरिष्ठ कर्मचारी नेता और लखनऊ विकास प्राधिकरण कर्मचारी संघ के महामंत्री दिनेश शुक्ला ने बताया कि एलडीए के इंतिहास में यह पहला मौका है जब एक साथ दो आवासीय योजनाएं लॉन्च हुईं हैं। इससे पहले जो भी योजनाए वह एक-एक कर ही आई।

पीएम आवास के 412 फ्लैटों के लिए पंजीकरण

मोहान रोड स्थित एलडीए की अनंत नगर योजना में कम आय वर्ग के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 412ईडब्ल्यूएस फ्लैट बनाए जाएंगे। इनका क्षेत्रफल 30.35 वर्ग मीटर होगा। इनका भी पंजीकरण अब एलडीए जल्द खोलने जा रहा है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि दो दिन में पंजीकरण खुल जाएगा। यह ऑनलाइन होगा। शारदा नगर विस्तार में बनने वाले वागेश्वरी अपार्टमेंट का पंजीकरण कुछ दिन बाद खोला जाएगा।

एलडीए के वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि नैमिष नगर और वरुण विहार आवासीय योजनाओं की लॉन्चिंग होने के बाद पंजीकरण खुल गया। इन योजनाओं के आने से लाखों लोगों को आवासीय सुविधा मिलेगी। अदिति अपार्टमेंट का भी पंजीकरण दो दिन में खुल जाएगा।

होमगार्ड भर्ती के दौरान योगेन्द्र सिंह की मौत पर परिजनों से मिले अजय राय और सांसद राकेश राठौर

शोकाकुल परिवार को बंधाया ढांढस हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। रामकोट थाना क्षेत्र के मढ़िया रहीमपुर निवासी स्वर्गीय योगेन्द्र सिंह के निधन पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं सीतापुर सांसद राकेश राठौर उनके आवास पर पहुंचे। दोनों नेताओं ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की। बताया गया कि लखनऊ में होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में योगेन्द्र सिंह की मृत्यु हो गई थी। उनके निधन की सूचना के बाद गांव में शोक का माहौल है। अजय राय और सांसद राकेश राठौर ने परिजनों से घटना की जानकारी ली तथा उन्हें ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस कठिन समय में वे परिवार के साथ खड़े हैं। दोनों नेताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। परिजनों ने घटना से जुड़ी अपनी पीड़ा और परेशानियों से भी नेताओं को अवगत कराया। इस दौरान स्थानीय लोग एवं परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

भाजपा ने विधान परिषद चुनाव की बनाई रणनीति

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह ने भाजपा मुख्यालय में शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद निर्वाचन की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कहा कि भाजपा शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों की तरह पूरी तैयारी और रणनीति के साथ लड़ेगी। प्रत्येक मतदाता से संवाद एवं समन्वय के साथ मतदान सुनिश्चित करने के लिए पन्ना प्रमुखों के साथ कार्यकर्ता मिलकर कार्य करेंगे। संचालन प्रदेश महामंत्री एवं एमएलसी चुनाव के संयोजक संजय राय ने किया। प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठन की शक्ति और कार्यकर्ताओं के परिश्रम के बल पर प्रत्येक मतदाता तक पहुंचना तथा उसे मतदान केंद्र तक लाना हमारी प्राथमिकता है। चुनाव की दृष्टि से मतदाता सूची के प्रत्येक पन्ने की समीक्षा, मतदाताओं से निरंतर संपर्क और बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता सुनिश्चित की जाए। पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता योजनाबद्ध तरीके से चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाते हुए सभी सीटों पर विजय के लक्ष्य के साथ पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करें। श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि एमएलसी चुनाव का क्षेत्रफल व्यापक है और चुनाव के लिए समय भी कम बचा है। इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को और अधिक गति के साथ चुनावी तैयारियों में जुटना होगा। प्रत्येक मतदान केंद्र तक मतदाता सूचियां पहुंचाने का कार्य पूरा किया जाए, ताकि मतदाताओं से संपर्क एवं संवाद के लिए प्रत्येक मतदाता के घर तक पहुंचा जा सके। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सह-संयोजक मानवेन्द्र सिंह, शंकर गिरी, आलोक गुप्ता एवं सह-संयोजक वसंत त्यागी, अवधेश श्रीवास्तव, प्रमेन्द्र जांगड़ सहित क्षेत्रीय टोली के संयोजक एवं सह-संयोजक तथा एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त, अरुण पाठक, महाराज सिंह, श्री बाबू लाल तिवारी, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विजय शिवहरे एवं पवन सिंह चौहान उपस्थित रहे।

शहर के प्रमुख चौराहों पर सुंदरत बढ़ाने को लगेंगे समान ट्रैफिक आई लैंड

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। वाराणसी शहर के सुंदरीकरण के क्रम में चौराहों को एक समान दिखाने के लिए एक जैसे ट्रैफिक आई लैंड स्थापित किए जाएंगे। इसका मॉडल पहले से ही मिंट हाउस चौराहे पर स्थापित किया जा चुका है। इस तरह के ट्रैफिक आई-लैंड शहर के 18 चौराहों की सुंदरता बढ़ाएंगे। मिंट हाउस चौराहे पर स्थापित ट्रैफिक आई लैंड में काशी की झलक दिखेगी। शीर्ष पर कलश, चार पोल हैं, जिसकी नक्काशी मंदिर जैसी है। साथ ही चारों दिशाओं से आने वाले लोगों के लिए इसमें चार अलग-अलग घड़ियां रहेंगी। इसमें बीच में खड़ा होकर ट्रैफिक कर्मी यातायात व्यवस्था का संचालन कर सकेंगे। नगर निगम की ओर से शहर के प्रमुख 18 चौराहों पर इसे स्थापित किया जाएगा। एडीसीपी ट्रैफिक अंशुमान मिश्रा ने बताया कि नए ट्रैफिक आईलैंड लगाने के लिए पुराने बूथों को तोड़ा जा रहा है। शहर के सिगरा, अंधरापुल, भेलूपुर, रथयात्रा, चौकाघाट समेत कुल 18 चौराहों पर बीच में लगे आई-लैंड को हटाने का काम चल रहा।

मजबूत सड़कें पुन : बनाई जा रहीं, 15-25 साल पुरानी सड़कें बदहाल, बजट के इंतजार में मोहल्लों की राहें

- तीन इंजन की सरकार होने के बावजूद सीतापुर की कई सड़कों की हालत खस्ताहाल

लोक हस्तक्षेप समाचार

सीतापुर। शहर में एक ओर ऐसी सड़कों का निर्माण और पुनर्निर्माण कराया जा रहा है जो अभी चलने योग्य हैं वहीं दूसरी ओर कई मोहल्लों की सड़कें पिछले 15 से 25 वर्षों से मरम्मत और पुनर्निर्माण की बाट जोह रही हैं। लंबे समय से जर्जर पड़ी इन सड़कों पर जिम्मेदार विभागों और जनप्रतिनिधियों का अपेक्षित ध्यान नहीं पहुंचने से स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

शहरवासियों का कहना है कि सरकार के स्तर पर विकास कार्यों के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं लेकिन सीतापुर शहर के कई इलाकों में सड़कें इतनी खराब हो चुकी हैं कि लोगों को रोजाना आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। हालत यह है कि कई स्थानों पर सड़क के गड्ढे मोहल्लेवासी स्वयं मिट्टी ईंट और मलबा डालकर भरने को मजबूर हैं।

ब्रह्मपुरी की सड़क का निरीक्षण हुए करीब दो साल अब तक निर्माण नहीं

शहर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले की सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। बताया जाता है कि इस सड़क का निरीक्षण करीब दो वर्ष पहले किया गया था लेकिन बजट के अभाव में आज तक सड़क का

निर्माण नहीं हो सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रस्ताव और निरीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद सड़क निर्माण के लिए धनराशि का इंतजार खत्म नहीं हो रहा है।

स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार हो चुका है और निरीक्षण भी किया जा चुका है तो आखिर बजट आवंटन में इतनी देरी क्यों हो रही है?

प्रस्ताव विभागों में लंबित बजट न मिलने से विकास कागजों तक सीमित

शहर की कई सड़कों के प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग और डूडा के स्तर पर लंबे समय से लंबित बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार बजट आवंटित नहीं होने के कारण कई प्रस्ताव धरातल पर उतरने के बजाय केवल सरकारी फाइलों तक सीमित रह गए हैं। सीतापुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर 'गुरु' कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन क्षेत्रों में शासन स्तर से बजट उपलब्ध हो रहा है वहां सड़क निर्माण के कार्य भी दिखाई दे रहे हैं लेकिन अनेक मोहल्लों की पुरानी सड़कों के लिए अभी तक पर्याप्त बजट नहीं मिल सका है।

वीआईपी कहलाने वाली चर्च रोड भी बदहाल

शहर की चर्च रोड से कोतवाली चौराहे तक का मार्ग कभी वीआईपी रोड के रूप में जाना जाता था। आज इस मार्ग की स्थिति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इसी तरह एसपी कार्यालय से लोहा बाजार/लोहार बाग चौराहे घूरामऊ बंगला से एनसीसी चौराहा तथा बड़े डाकखाने तिराहे से र डवेज बस स्टैंड की ओर जाने वाली सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इन मार्गों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं।

सड़क चौड़ीकरण के बीच वीडीए का बुलडोजर एक्शन

- कचहरी से संदहा चौराहे तक की जाएगी सड़क चौड़ी
- वाराणसी में जायका रेस्टोरेंट पर प्रशासन ने लिया बुलडोजर एक्शन

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। वाराणसी में अवैध निर्माण के खिलाफ वीडीए ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है। कैंट थाना क्षेत्र के कचहरी चौराहे पर स्थित जायका रेस्टोरेंट में यह कार्रवाई की जा रही है। वीडीए ने रेस्टोरेंट के निर्माण को अवैध बताते हुए पहले ही नोटिस जारी किया था।

जायका रेस्टोरेंट का आरोप है कि नोटिस के बावजूद निर्माण खुद से नहीं हटाया गया. इसके बाद वीडीए की टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर से कार्रवाई शुरू की।

कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। वीडीए की टीम अवैध बताए जा रहे निर्माण को हटाने में जुटी है. पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई । दरअसल, जायका रेस्टोरेंट एक मुस्लिम व्यापारी का बताया जा रहा है. वीडीए की ओर से पहले ही निर्माण को लेकर नोटिस दिया गया था। नोटिस में निर्माण हटाने के लिए कहा गया था। निर्माण नहीं हटाए जाने के बाद अब प्राधिकरण ने बुलडोजर चलाया है।

यह कार्रवाई कचहरी चौराहे के आसपास सड़क चौड़ीकरण की योजना से भी जुड़ी है। कचहरी से संदहा चौराहे तक सड़क का चौड़ीकरण होना है। इसी के तहत रास्ते में आने वाले निर्माण को लेकर कार्रवाई की जा रही है।

वीडीए की टीम मौके पर मौजूद रही बुलडोजर की मदद से निर्माण हटाया गया। कार्रवाई के दौरान किसी तरह की स्थिति न बिगड़े, इसके लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

प्राधिकरण की ओर से पहले जारी किए गए नोटिस और उसके बाद की कार्रवाई को लेकर टीम निर्माण से जुड़े दस्तावेज भी देखा। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद इलाके में हलचल बढ़ गई है।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में दुनिया देखेगी यूपी के युवाओं का कौशल

- योगी सरकार का युवाओं पर फोकस पहली बार 'स्किल मंच' की शुरुआत
- शिक्षाविद, कौशल विशेषज्ञ, उद्योग प्रतिनिधि और सॉफ्ट स्किल कम्युनिकेटर अपने अनुभव करेंगे साझा
- कौशल विकास, करियर निर्माण और रोजगार की बदलती संभावनाओं से युवाओं को जोड़ने की तैयारी
- कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे बढ़ चुके प्रशिक्षित युवा उद्यमी भी पवेलियन का होंगे हिस्सा
- उद्योगों से बी2बी संवाद और 16 कौशलों के लाइव प्रदर्शन के साथ आगंतुकों को मिलेगा हुनर को स्वयं करके सीखने का अवसर

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। इंटरनेशनल ट्रेड शो में दुनिया उत्तर प्रदेश के हुनर और युवाओं की प्रतिभा से रूबरू होगी। योगी सरकार के युवाओं को कौशल, करियर और रोजगार से जोड़ने के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए पहली बार यूपी कौशल विकास मिशन (क्वस्टरू) के पवेलियन में 'स्किल मंच' की शुरुआत होगी। यहां शिक्षाविद, कौशल विशेषज्ञ और उद्योग प्रतिनिधि युवाओं से संवाद करेंगे, वहीं 16 कौशलों के लाइव प्रदर्शन, गतिविधियों और बी2बी संवाद के जरिए आगंतुक हुनर को देखने के साथ स्वयं करके सीख सकेंगे। सबसे खास बात युवा उद्यमी अपनी सफलता की कहानियां साझा कर कौशल से रोजगार और उद्यमिता तक की राह भी दिखाएंगे। उत्तर प्रदेश के युवाओं के कौशल, प्रतिभा और हुनर को देश-दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन इस वर्ष उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में अपने पवेलियन को और अधिक व्यापक एवं इंटरैक्टिव स्वरूप में प्रस्तुत करेगा। 25 से 29 सितम्बर तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड शो में कौशल विकास मिशन का पवेलियन आगंतुकों को प्रदेश के पारंपरिक कौशलों के साथ आधुनिक एवं उभरते कौशलों की जानकारी देने के साथ ही उन्हें स्वयं गतिविधियों में भाग लेकर कौशल को समझने का अवसर भी प्रदान करेग इस वर्ष कौशल विकास मिशन के पवेलियन में 16 कौशल स्टॉल लगाए जा रहे हैं। इस प्रकार इस बार पारंपरिक कारीगरी के साथ-साथ नए एवं उभरते कौशलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। पवेलियन में विभिन्न कौशलों के लाइव डेमो होंगे, जिससे आगंतुक कौशल की बारीकियों और उससे जुड़ी कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से देख सकेंगे। पवेलियन का आकार भी इस वर्ष उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया गया है। इस बार 360 वर्ग मीटर का स्थान मिला है। यह पवेलियन हॉल नंबर-7, ग्राउंड फ्लोर पर स्थापित किया जा रहा है। इस वर्ष कौशल विकास मिशन के पवेलियन में इंटरैक्टिव खुद करें जैसी गतिविधियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। अधिकांश स्टॉल पर आगंतुक केवल कौशल का प्रदर्शन देखने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि स्वयं गतिविधियों में हिस्सा लेकर संबंधित कौशल की बारीकियों को समझ सकेंगे। पहली बार 'स्किल मंच' की शुरुआत की जा रही है। इस मंच पर शिक्षाविद, कौशल विशेषज्ञ, उद्योग प्रतिनिधि और सॉफ्ट स्किल कम्युनिकेटर अपने अनुभव एवं व्यावहारिक जानकारी साझा करेंगे। इसका उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास, करियर निर्माण और रोजगार की बदलती संभावनाओं से जोड़ना है।पवेलियन में उद्योगों और शिक्षण संस्थानों के साथ बी टू बी गतिविधियों को भी स्थान दिया गया है। इसके माध्यम से कौशल विकास से जुड़े विभिन्न हितधारकों के बीच संवाद, सहयोग और संभावित साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की जाएगी। कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने क्षेत्रों में आगे बढ़ चुके प्रशिक्षित युवा उद्यमी भी पवेलियन का हिस्सा होंगे। उनके अनुभव, सफर और उपलब्धियों को प्रदर्शित कर यह बताया जाएगा कि कौशल विकास केवल प्रशिक्षण प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के अवसरों का मजबूत आधार भी बन सकता है।

ग्रामीण सड़कों के कायाकल्प से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने गांवों में विकास का पहिया किया तेज : केशव प्रसाद

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभागीय जानकारी लेते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिवसहाय अवस्थी को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में मार्गों के निर्माण, मरम्मत एवं गड्ढामुक्त अभियान के कार्यों में और तेजी लाने को कहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता एवं आवागमन की सुगमता सरकार की प्राथमिकताओं में है। निर्माणाधीन मार्गों के कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराए जाएं।

योगी सरकार ने नई जेलों के निर्माण और क्षमता विस्तार से ओवरक्राउडिंग पर लगाया ब्रेक

लखनऊ,संवाददाता। योगी सरकार प्रदेश की जेल व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और मानवीय बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। बढ़ती बंदी संख्या और जेलों में ओवरक्राउडिंग की समस्या को दूर करने के लिए योगी सरकार ने एक ओर नई जेलों के निर्माण को गति दी है, जिससे जेलों में ओवरक्राउडिंग दर में कमी दर्ज की गई। वर्तमान में प्रदेश में कुल 77 कारागार संचालित हैं, जिनमें 7 केंद्रीय कारागार, 2 महिला केंद्रीय कारागार, 64 जिला कारागार, 1 विशेष कारागार, 2 उप कारागार तथा 1 किशोर सदन शामिल है। योगी सरकार के पिछले साढ़े नौ वर्षों में जेल अवसंरचना के विस्तार का ही परिणाम है कि प्रदेश की जेल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में प्रदेश की 70 जेलों की कुल बंदी क्षमता 58,400 थी, जबकि वर्ष 2026 तक यह बढ़कर 77,673 हो गई है। इस अवधि में जेलों में

ओवरक्राउडिंग दर भी काफी कम हुई है। वर्ष 2017 में जहां ओवरक्राउडिंग दर 1.77 थी, वह वर्ष 2026 में घटकर 1.03 रह गई है। यह कमी योगी सरकार द्वारा जेलों के विस्तार, नई जेलों के निर्माण और अतिरिक्त क्षमता सृजन के लिए किए गए प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है। योगी सरकार ने वर्ष 2017 के बाद से अब तक सात नई जेलों का संचालन शुरू किया है। इनमें चित्रकूट, अंबेडकरनगर, संतकबीरनगर, इटावा केंद्रीय कारागार, प्रयागराज, श्रावस्ती तथा पुरानी जिला कारागार बरेली शामिल हैं। इन नई जेलों से कुल 10,495 बंदियों की अतिरिक्त क्षमता विकसित हुई है, जिससे विभिन्न जनपदों की जेलों पर दबाव कम हुआ है। योगी सरकार छह नई जिला जेलों के निर्माण की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। इनमें कानपुर नगर (2030 क्षमता), औरैया (1056), शाहजहांपुर (1520), ज्ञानपुर-भदोही (574), मुरादाबाद (2000) तथा ललितपुर (552) शामिल हैं। इन छह नई जेलों के निर्माण से प्रदेश में 7,732 अतिरिक्त बंदियों की क्षमता उपलब्ध होगी। इन परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसके अलावा प्रदेश में नई निर्माणाधीन जेल परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य चल रहा है। अमेठी और महोबा में बन रही नई जिला जेलों का निर्माण लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अमेठी जेल का कार्य 98 प्रतिशत से अधिक तथा महोबा जेल का कार्य 93 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। इनके अतिरिक्त हाथरस, कुशीनगर, जौनपुर और हापुड़ में भी नई जेलों का निर्माण तेजी से जारी है। इन छह निर्माणाधीन जेलों की कुल क्षमता 6,156 बंदियों की होगी। योगी सरकार का लक्ष्य है कि अधिकांश परियोजनाएं वर्ष 2026 तक पूर्ण कर ली जाएं। जेल अवसंरचना के विस्तार के साथ-साथ सरकार उन जिलों में भी नई जेलों की स्थापना की तैयारी कर रही है, जहां भूमि क्रय एवं पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। संभल, शामली, बलिया, सहारनपुर, अमरोहा और चंदौली में प्रस्तावित जेलों के लिए भूमि अधिग्रहण और पंजीकरण की कार्रवाई प्रगति पर है। इनमें से कई परियोजनाओं के लिए शासन स्तर पर करोड़ों रुपये की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है। मालूम हो कि जेलों में अत्यधिक भीड़ सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पुनर्वास संबंधी गतिविधियों को प्रभावित करती है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने जेलों की क्षमता बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। नई जेलों के निर्माण से न केवल बंदियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि जेल प्रशासन को भी सुरक्षा व्यवस्था और सुधारात्मक कार्यक्रमों के संचालन में सुविधा होगी।

योगी सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक बंदी को निर्धारित मानकों के अनुरूप रहने की सुविधा मिले तथा जेलों में भीड़भाड़ के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं को न्यूनतम किया जा सके। इसके लिए नई जेलों का निर्माण, पुराने कारागारों का उन्नयन, अतिरिक्त बैरकों का निर्माण और आधुनिक सुरक्षा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

प्राचार्य पद की लिखित परीक्षा में 88.81 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग

लखनऊ संवाददाता। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की विज्ञापन संख्या 02/2026 के तहत प्राचार्य (अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय) पद के लिए लिखित परीक्षा 24 सितंबर को लखनऊ के दो परीक्षा केंद्रों पर प्रथम पाली में सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक संपन्न हुई। आयोग के अनुसार परीक्षा पारदर्शी, नकलविहीन, शुचितापूर्ण, निर्विघ्न और सुव्यवस्थित वातावरण में कराई गई।परीक्षा के दौरान आयोग में स्थापित समेकित नियंत्रण कक्ष से अध्यक्ष प्रशान्त कुमार, सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक और उपसचिव ने दोनों परीक्षा केंद्रों की सघन निगरानी की। परीक्षा केंद्रों पर लगाए गए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई। आयोग ने परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तकनीकी निगरानी की व्यवस्था की थी।आयोग ने बताया कि लखनऊ के दोनों परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित समय पर सुचारू रूप से संपन्न हुई। इस दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। परीक्षा के सफल संचालन में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन का सक्रिय सहयोग मिला।परीक्षा के लिए कुल 813 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 722 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग

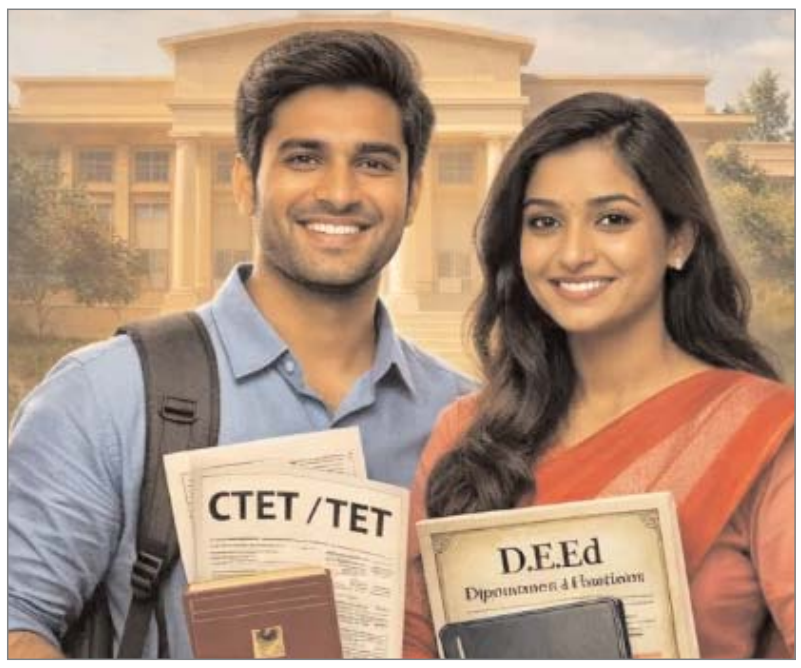

लिया। इस प्रकार कुल 88.81 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। महिला अभ्यर्थियों की उपस्थिति 90.36 प्रतिशत और पुरुष अभ्यर्थियों की उपस्थिति 88.36 प्रतिशत रही।

भाजपा में संगठन स्तर पर बड़े बदलाव धर्मपाल को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी

लखनऊ संवाददाता। । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने संगठन स्तर पर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से जारी सूची के अनुसार धर्मपाल को उत्तर प्रदेश का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। धर्मपाल इससे पहले भी उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।जारी सूची के अनुसार मानस मोहंती को ओडिशा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) तथा मंत्री श्रीनिवासुलु को पंजाब और चंडीगढ़ का प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया है। अमिताभ चक्रवर्ती को पश्चिम बंगाल का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया है। अभय गिरी को ब्रज क्षेत्र का संगठक तथा अनंत नारायण मिश्र को भागलपुर, पूर्णिया और कोसी क्षेत्र का संगठक बनाया गया है।पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठनात्मक जिम्मेदारियों में बदलाव किया है। शिवप्रकाश को आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा का राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) बनाया गया है, जबकि सौदान सिंह को बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी दी गई है। वी. सतीश को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति मोर्चा तथा संसदीय कार्यालय का संगठक बनाया गया है। नागेन्द्र को वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क की जिम्मेदारी सौंपी गई है।अजय जामवाल को महाराष्ट्र का प्रदेश महामंत्री (संगठन), सतीश धोंड को महाराष्ट्र का प्रदेश सह महामंत्री (संगठन) तथा गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में जनजाति संपर्क की जिम्मेदारी दी गई है। मधुकर को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का प्रदेश महामंत्री (संगठन), दशरथ को तेलंगाना का प्रदेश सह महामंत्री (संगठन) तथा रवींद्र राजू को असम और त्रिपुरा के साथ कार्यालय निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है।भीखूभाई दलसानिया को बिहार का प्रदेश महामंत्री (संगठन), पवन साई को झारखंड, सिद्धार्थन को हिमाचल प्रदेश, रत्नाकर को गुजरात तथा दादरा नगर हवेली एवं दमन और दीव का प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय लोकतांत्रिक जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने सर्वजीत सिंह सूर्यवंशी

लखनऊ संवाददाता। । भारतीय राष्ट्रीय लोकतांत्रिक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी रामाशीष राय ने पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की है। घोषित कार्यकारिणी में सर्वजीत सिंह सूर्यवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी की जारी सूची में उनका नाम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में दर्ज है।

घोषित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कुल 63 सदस्य शामिल हैं, जिनमें 36 पदाधिकारी और 27 कार्यकारिणी सदस्य हैं। पार्टी की ओर से विभिन्न पदों पर कई वरिष्ठ लोगों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं तथा विभिन्न सामाजिक एवं सार्वजनिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के नाम शामिल हैं।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में सर्वजीत सिंह सूर्यवंशी की नियुक्ति राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आधिकारिक सूची में क्रमांक 10 पर दर्ज है। उनके साथ अन्य राष्ट्रीय उपाध्यक्षों तथा राष्ट्रीय महामंत्रियों, मंत्रियों और कार्यकारिणी सदस्यों की भी घोषणा की गई है। पार्टी की घोषणा के अनुसार, डॉ. अलका राय को महिला जनता मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा देवेश कुमार सिंह को जनता किसान मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने अपने वक्तव्य में कहा है कि उसका उद्देश्य

आम जनता से जुड़कर लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों के अनुरूप कार्य करना तथा राजनीतिक सुधार की दिशा में आगे बढ़ना है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर सर्वजीत सिंह सूर्यवंशी के समर्थकों और शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

मिली महिला की लाश, तीन संदिग्ध हिरासत में

लखनऊ संवाददाता । मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के पद्मिनी खेड़ा गांव में गुरुवार देर रात करीब एक बजे घर की चारदीवारी के भीतर करीब 60 वर्षीय महिला अचेत अवस्था में पड़ी मिली। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और महिला को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की मौजूदगी में पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।घटना की जानकारी मिलने के बाद उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच के लिए पुलिस टीम गठित की। पुलिस ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और साक्ष्यों से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पुलिस बल तैनात है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है। मामले में अन्य आवश्यक कानूनी

लखनऊ विश्वविद्यालय में विकसित भारत-2047 और सुशासन पर हुआ विशेष व्याख्यान

लखनऊ संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में गुरुवार को 'किस्सा प्रशासन का : अध्याय-1 विकसित भारत-2047' विषय पर विशेष व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का केंद्रीय विषय 'जन, नीतियां और संभावनाएं' रहा। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी के संरक्षण में अटल सुशासन पीठ की ओर से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने और दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई।विभागाध्यक्ष प्रो. वैशाली सक्सेना ने कार्यक्रम की विषय-वस्तु की भूमिका प्रस्तुत करते हुए किस्सा प्रशासन के प्रथम अध्याय में आपदा प्रबंधन का उल्लेख किया। उन्होंने आपदा के बाद परिस्थितियों से उबरने की क्षमता और प्रशासनिक व्यवस्था की मजबूती पर विशेष जोर दिया।

नवयुग महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय लखनऊ में राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) के प्रथम एक दिवसीय शिविर का भव्य आयोजन प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ।

शिविर का विधिवत शुभारंभ प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय एवं आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने सुमधुर स्वर में माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इसके उपरांत प्राचार्या महोदया ने अतिथियों को पौधे भेंट कर उनका हरित एवं आत्मीय स्वागत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की कड़ी में बी.एससी. (प्रथम वर्ष) की छात्रा ऊनी गुप्ता ने राष्ट्रीय सेवा योजना के 'लक्ष्य गीत' पर मनमोहक एवं उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया।

शिविर के प्रथम सत्र में ज्ञानवर्धक व्याख्यानों का आयोजन हुआ, जिसमें मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विचार साझा किए।

डॉ. अंकिता गर्ग (कंसल्टेंट - चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकियाट्रिस्ट) ने When stress becomes too muchRecognising anXiety and depression and building resilience' विषय पर व्याख्यान देते हुए तनाव, चिंता और अवसाद के लक्षणों को पहचानने तथा मानसिक सुदृढ़ता (रेसिलियंस) विकसित करने के व्यावहारिक तरीके बताए।

डॉ. गीता सिंह (एसोसिएट कंसल्टेरेडिएशन ऑन्कोलॉजी) ने Cancer Prevention and Early Detection What Every Adult Should KnowÓविषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कैंसर से बचाव, शुरुआती पहचान और नियमित जांच के महत्व से छात्राओं व उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया।मंच का सफल संचालन नव्या एवं संस्कृति (बी.एड.) द्वारा किया गया।भोजन अवकाश के पश्चात शिविर के द्वितीय सत्र में मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की मेडिकल टीम द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्राओं के नेत्र परीक्षण, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, कैल्शियम तथा यूरिक एसिड आदि की निःशुल्क जांच की गई। साथ ही प्रतिभागियों को निःशुल्क 'हेल्दी फैमिली प्रिविलेज कार्ड' भी वितरित किए गए।

समापन अवसर पर प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में छात्राओं को समाज सेवा, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।शिविर का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों–डॉ. मनीषा बड़ौनियाँ, डॉ. चंदन मौर्या एवं दीक्षा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शिविर में एनएसएस की सभी स्वयंसेविकाओं सहित महाविद्यालय की अन्य छात्राओं, प्रवक्ताओं एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अंत में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन के साथ शिविर का औपचारिक समापन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

सपा ने शिक्षक निर्वाचन में आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत की

लखनऊ संवाददाता।। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की है। पार्टी ने मुरादाबाद स्थित जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के कर्मचारी जीत सिंह पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के पक्ष में प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में कार्यरत जीत सिंह एक विद्यालय के निजी वाहन का इस्तेमाल कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। पार्टी का कहना है कि उक्त वाहन का उपयोग विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा जीत सिंह द्वारा मुरादाबाद के शिक्षकों के वाट्सऐप समूहों में भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों को चुनाव में विजयी बनाने की अपील की जा रही है और उन्हें जीत की अग्रिम बधाई भी दी जा रही है। समाजवादी पार्टी ने इन संदेशों और पोस्टों को भी शिकायत के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजे जाने की बात कही है।ज्ञापन में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग ने 22 सितंबर 2026 को उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक निर्वाचन सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित किया था और इसके साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया कि कर्मचारी द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन किए जाने की शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी, मुरादाबाद से किए जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।पार्टी ने मांग की है कि मामले की जांच कर जीत सिंह के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाए और उन्हें तत्काल निलंबित किया जाए। ज्ञापन में गिरफ्तारी और जेल भेजने की भी मांग की गई है। पार्टी का कहना है कि कार्रवाई से बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 की प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष, स्वतंत्र और निर्भीक तरीके से संपन्न कराने में मदद मिलेगी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में के.के. श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चन्द्र और राधेश्याम सिंह शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की।

आरोपी गिरफ्तार, सिलेंडर और साड़ियां बरामद

लखनऊ संवाददाता। चिनहट थाना पुलिस ने घर से गैस सिलेंडर, कपड़े और अन्य सामान चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का गैस सिलेंडर, दो साड़ियां और 310 रुपये नकद बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार 30 जुलाई 2026 को विनय कुमार तिवारी पुत्र अवध नारायण तिवारी, निवासी ओम साई विष्णु विहार कॉलोनी, कान्तिपुरम मटियारी, चिनहट ने घर से गैस सिलेंडर, कपड़े और अन्य सामान चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। तहरीर के आधार पर चिनहट थाने में मुकदमा संख्या 405/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक धीरेन्द्र राय कर रहे थे।चोरी की घटना के खुलासे और सामान की बरामदगी के लिए प्रभारी निरीक्षक चिनहट ने पुलिस टीम गठित की। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चोरी के आरोपी धीरज को शिवपुरी चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक गैस सिलेंडर, दो साड़ियां और 310 रुपये नकद बरामद हुए।

मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत

लखनऊ संवाददाता।। तालकटोरा थाना क्षेत्र के राजाजीपुरम ई-ब्लॉक टैम्पो स्टैंड के पास गुरुवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही तालकटोरा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई।पुलिस के अनुसार दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल चला रहे मुन्ना पुत्र शंभू, निवासी राजाजीपुरम, लखनऊ, उम्र करीब 62 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद उनकी मृत्यु हो गई। मृतक की मोटरसाइकिल का पंजीकरण संख्या यूपी32एफएफ8457 है, जबकि दुर्घटना में शामिल दूसरी मोटरसाइकिल का पंजीकरण संख्या यूपी32डीएम1658 बताया गया है।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव के संबंध में पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों और उससे जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है तथा नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

किसान अधिकार यात्रा में एम.एस.पी. और व्यापार समझौतों से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठेंगे : अजय राय

लखनऊ संवाददाता। उ.प्र. किसान कांग्रेस द्वारा पूरे प्रदेश में ''किसान अधिकार यात्रा'' निकाले जाने की तैयारियों को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आज आयोजित महत्वपूर्ण तैयारी बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी पूर्व मंत्री एवं अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला ने किसानों से जुड़े प्रमुख मुद्दों को यात्रा के दौरान मजबूती से उठाने पर जोर दिया। तैयारी बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि किसान अधिकार यात्रा में सर्किल रेट और भूमि अधिग्रहण के मुद्दे को प्रमुखता से शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सवाल जनता के बीच उठाया जाना चाहिए कि सरकार किसानों से उनकी जमीन किस सर्किल रेट पर ले रही है और वही जमीन बिल्डरों को किस दर पर उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही बिल्डर उसी जमीन पर बने फ्लैट किस कीमत पर बेच रहे हैं, इसका भी जवाब और सच जनता के सामने आना चाहिए।

फरार वारंटी को सीतापुर से गिरफ्तार किया

लखनऊ। हसनगंज पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के मामले में करीब 35 वर्षीय वारंटी धरमवीर को सीतापुर के तंबौर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ वर्ष 2011 में दर्ज मुकदमे में न्यायालय एडीजे-16 लखनऊ द्वारा वाद संख्या 581/2012 में गैर जमानती वारंट जारी किया गया था।पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक राजकुमार तिवारी वारंटी की तलाश और गिरफ्तारी के लिए तंबौर, सीतापुर रवाना हुए थे। आरोपी के बताए पते पर दबिश देने पर धरमवीर पुत्र राम स्वरूप निवासी गुड़ियन टोला, थाना तंबौर, जिला सीतापुर घर के बाहर मिला। पुलिस ने उसे न्यायालय के आदेश की जानकारी देकर नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया।धरमवीर के खिलाफ थाना हसनगंज में अपराध संख्या 164/2011 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 41, 411, 413, 414, 467, 468 और 471 में मुकदमा दर्ज है। पुलिस उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी संबंधित थानों, इकाइयों और जनपदों से जुटा रही है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

क्या होगा लोकतंत्र का भविष्य

लोकतंत्र को बनाए और बचाए रखने का एकमात्र उपाय है संविधान की बनाई व्यवस्था के मुताबिक निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव। नागरिकों को मताधिकार इसलिए ही दिया गया है, ताकि वे अपनी मर्जी के प्रत्याशी को वोट दें और फिर जिसे बहुमत मिले, वह दल सत्ता पर काबिज हो। लेकिन मोदी सरकार में इस सीधी, स्पष्ट व्यवस्था पर बारम्बार चोट की गई। इस काम में चुनाव आयोग को भी इस्तेमाल में लाने के आरोप विपक्ष ने लगाए। अब अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस की एक खोजी रिपोर्ट से इन आरोपों को और बल मिला है। रिपोर्ट में चुनाव आयोग के अंदर मतदाता सूची के प्रबंधन और उसके डिजिटल सिस्टम को लेकर गंभीर मतभेदों का खुलासा किया गया है। इस खास खबर के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब 10 महीनों में कई बार चुनावी प्रक्रिया से जुड़े आईटी सिस्टम में बदलाव और मतदाता सूची के नियंत्रण के केंद्रीकरण पर आपत्ति दर्ज की। दोनों चुनाव आयुक्तों ने इस मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी अपनी आपत्तियों से अवगत कराया। उन्होंने कैबिनेट सेक्रेटरी तक अपनी आपत्तियां पहुंचाईं। लेकिन ज्ञानेश कुमार और कैबिनेट सेक्रेटरी ने चुप्पी साध ली। जिसके बाद मजबूरन दो महीने पहले जुलाई में दोनों चुनाव आयुक्तों ने अलग-अलग पत्र लिखकर कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन को भी चुनाव आयोग के प्रशासनिक और आईटी ढांचे में हुए बदलाव की जानकारी दी। दरअसल चुनाव आयोग ने इस साल 22 जनवरी को ईसीआईनेट नाम का नया डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया था। इसके जरिए आयोग के 40 से ज्यादा ऐप और पोर्टल को एक ही तकनीकी ढांचे के अंतर्गत लाया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इसके लॉन्च के समय कहा था कि यह सिस्टम कानून के अनुरूप बनाया गया है। लेकिन अब खुलासा हुआ है कि राज्यों में मतदाता सूची तैयार करने और उसमें नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन करने के लिए कानूनन जिम्मेदार अधिकारियों को कुछ मामलों में इस नए सिस्टम पर अपेक्षित अधिकार नहीं मिल पा रहे थे। दरअसल 1950 का जन प्रतिनिधित्व कानून और रजिस्ट्रेशन ऑफइलेक्टर्स रूल्स, 1960 के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर यानी ईआरओ होता है। ईआरओ अमूमन एसडीएम या जिला प्रशासन के समान स्तर का अधिकारी होता है। जिन पर मतदाता सूची तैयार करने, दावों और आपत्तियों की सुनवाई करने तथा किसी नाम को सूची में रखने या हटाने का निर्णय लेने की जिम्मेदारी होती है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले करीब 10 महीनों में कई राज्यों में ऐसी स्थितियां सामने आई जहां ईआरओ कानूनन फैसला तो ले रहे हैं, लेकिन उसे सॉफ्टवेयर में दर्ज नहीं कर पा रहे थे। यानी वोटर लिस्ट में किसी नाम को जोड़ना, हटाना, पहले लिए गए निर्णय को बदलना या अपील की प्रक्रिया आगे बढ़ाना अब ईआरओ के हाथ में नहीं रहा और नए सिस्टम के कारण इन फैसलों का नियंत्रण दिल्ली स्थित आईटी डिवीजन के स्तर पर केंद्रित हो गया। इसी पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू के निर्देश पर तत्कालीन उप चुनाव आयुक्त संजय कुमार ने आईटी महानिदेशक सीमा खन्ना और आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखा कि ईआरओ, डीईओ और सीईओ के वैधानिक अधिकार उन्हीं अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने चाहिए और किसी अन्य व्यक्ति या व्यवस्था द्वारा उन्हें सीमित नहीं किया जाना चाहिए। सुखबीर सिंह संधू ने यह भी बताया कि आईटी डिवीजन ने पिछले कुछ महीनों में कई नए मॉड्यूल और पोर्टल विकसित किए हैं, लेकिन इनकी जानकारी आयोग के सभी सदस्यों को नहीं दी गई। इनके अलावा दूसरे चुनाव आयुक्त विवेक जोशी ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त, संधू और संजय कुमार को पत्र लिखकर मतदाता सूची के डेटाबेस के श्क्रमिक केंद्रीकरण्य पर चिंता जताई। जोशी ने सुझाव दिया कि इस पूरे सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए। उन्होंने आईआईटी के किसी बाहरी विशेषज्ञ को शामिल करने का प्रस्ताव रखा ताकि यह प्रमाणित किया जा सके कि मतदाता डेटाबेस में बदलाव करने का अधिकार सिर्फउन्हीं वैधानिक अधिकारियों के पास हो जिन्हें कानून ने यह अधिकार दिया है।

मतलब एसआईआर और नए आईटी सिस्टम के जरिए मतदाताओं के नाम काटे जाने पर ज्ञानेश कुमार तो बेफिक्र थे, लेकिन अन्य दोनों चुनाव आयुक्त लगातार बिगड़ती व्यवस्था पर चिंता जता रहे थे। इन पर ध्यान देने की जगह उप चुनाव आयुक्त संजय कुमार, जो कि चुनाव आयोग के आईटी डिवीजन के काम की निगरानी कर रहे थे, उन्हें ही वहां से हटा दिया गया। तब दोनों चुनाव आयुक्तों ने अलग-अलग पत्र लिखकर कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन को इस प्रशासनिक बदलाव की जानकारी दी और इसे कानून का श्स्पष्ट उल्लंघनश् बताया। यह शायद पहली बार है कि चुनाव आयोग के दो सदस्यों ने पहली बार इस तरह आयोग के अंदर लिए गए किसी प्रशासनिक आदेश को लेकर देश के शीर्ष नौकरशाह को सीधे शिकायत की। यह सब केवल चुनाव आयोग के भीतर ज्ञानेश कुमार के लिए फैसलों से असहमति के तौर पर नहीं देखा जा सकता। बल्कि अब यह नजर आ रहा है कि चुनाव आयोग के भीतर निष्पक्षता और पारदर्शिता से काम नहीं हो रहा है। विपक्ष ज्ञानेश कुमार पर भाजपा की बी टीम की तरह काम करने का आरोप लगाता रहा है। अब इस खुलासे के बाद नैतिकता के नाते ही सही ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी के वोट चोरी वाले आरोपों पर जिस तरह उन्होंने हलफनामा पेश करने कहा था, और आरोपों को खारिज किया था, वही रवैया अब भी अपनाया जाएगा। फिलहाल चुनाव आयोग की तरफसे सफाई तो आई है कि किसी भी संस्था में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय और टिप्पणियां होना सामान्य बात है। ... 10 महीनों के दौरान की कुछ खास आंतरिक टिप्पणियोंध्अवलोकनों को उजागर करना, जबकि बड़ी संख्या में मंजूरियों, फैसलों, निर्देशों और पहलों को नजरअंदाज करना, तस्वीर का केवल एक हिस्सा ही दिखाता है। हाल के महीनों में, आयोग ने देश भर में मतदाता सूची संशोधन के संचालन सहित कई चुनावी सुधार किए हैं। ये सभी फैसले पिछले एक साल में पूरे आयोग के सर्वसम्मत फैसलों का परिणाम हैं। लेकिन यह स्पष्टीकरण भी आरोपों पर पर्दा ढंकने जैसा ही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक तो दोनों चुनाव आयुक्तों का अलग स्पष्टीकरण नहीं आया है। देखना होगा कि अब ज्ञानेश कुमार खुद इस्तीफा देते हैं, या भाजपा हमेशा की तरह उनके बचाव में उतरती है या फिर विपक्ष ने अपने हमले जिस तरह तेज किए हैं, उसके बाद क्या अदालत कोई स्वतरू संज्ञान इस पर लेती है। चुनाव आयोग, विपक्ष और अदालत का अगला कदम जो भी होगा लोकतंत्र की रक्षा या खात्मा उसी पर निर्भर करेगा।

भारतीय कूटनीति का नया क्षितिजः ब्रिक्स सम्मेलन

इस समेलन के समूचे पहलुओं के आधार पर कहा जा सकता है कि भारत आज उस वैश्विक मुकाम पर अवस्थित है, जहां उसकी शांतिप्रियता कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अटूट आर्थिक-सामरिक शक्ति और कूटनीतिक सामर्थ्य का परिचायक है। ऐसे में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की यह प्रसिद्ध पंक्तियां आज के सशक्त,समन्वयक और मध्यस्थ भारत की कूटनीतिक स्थिति पर सटीक बैठती प्रतीत होती हैं-क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल होध् उसका या जो दंतहीन विषरहित विनीत सरल हो। दो दिन चले इस मंथन में भारत ने अपनी चाणय सरीखी नीति के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि ब्रिस किसी एक विचारधारा या देश के प्रभुत्व में न आकर,वह वैश्विक कल्याण की भावना,नवीन नवाचार और सतत विकास के लिए एक व्यावहारिक और सहयोगी मंच के रूप में सबके साथ खड़ा रहे।

डॉ.नीरज कुमार मिश्र
****

यथा शिखा मयूराणां नागानां मणयो यथा- जिस प्रकार मोरों में कलगी और नागों में मणि का स्थान सर्वोपरि है, ठीक उसी प्रकार समकालीन राजनीति के इस दौर में आज का भारत वैश्विक कूटनीतिक धरातल पर अपनी समभाव की भावना को आगे बढ़ाने में सर्वोपरि रहा है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भव्य भारत मंडपम में संपन्न हुआ 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन महज अंतरराष्ट्रीय देशों की मेजबानी करने तक ही सीमित नहीं था,बल्कि यह बदलते राजनैतिक परिदृश्य में भारत की कूटनीतिक दूरदर्शिता और वैचारिक नेतृत्व के एक नए क्षितिज का निर्माण भी कर रहा था। पारस्परिक लचीलापन, सकारात्मक नवाचार,आपसी सहयोग आदि मूलमंत्र के साथ,श्नई दिल्ली घोषणापत्रश् पर सभी सदस्य देशों की सर्वसम्मति को कूटनीति के क्षेत्र में भारत की एक अद्वितीय और निर्णायक पहल के रूप में देखा जा सकता है। आज के दोहरे वैश्विक संकटों, जिनमें पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल के साथ ईरान का युद्ध और पूर्वी यूरोप में रूस-यूक्रेन संघर्ष प्रमुख हैं। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि इस शिखर सम्मेलन में इन संकटों के बीच एक साझा आम सहमति बनाने की कोशिश वैश्विक पटल पर शांति के क्षेत्र में नई संजीवनी की तरह काम करेगी। जिससे वैश्विक पटल पर शांति के नए द्वार खोले जा सकते हैं। इस

सम्मेलन समूचे नीतिगत ढांचे के आधार पर यह कहा जा सकता है कि भारत मंडपम केवल वैश्विक देशों के भाषणों का मंच ही नहीं बनकर रह गया,बल्कि वह ब्रिक्स देशों के आपसी संबंधों का नया ताना-बाना तैयार करने के साथ, इन संबंधों को सुधारने और द्विपक्षीय विमर्श को एक नई दिशा-दशा तय करने वाली प्रयोगशाला भी बनाकर उभरा। सीमाई गतिरोधों को दूर करने और पूर्व-स्थापित समझौतों का सम्मान करने की पृष्ठभूमि में भारत और चीन के बीच हुई गंभीर बातचीत ने यह दर्शाया है कि कूटनीतिक परिपक्वता के आलोक में आपसी संबंधों के बीच घिर आए बादलों से उपजे अंधेरे को दूर किया जा सकता है। आज अमेरिकी प्रतिबंधों से अनेक देश प्रभावित हैं। भारत इससे अछूता नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि इन प्रभावित देशों के साथ भारत का सकारात्मक संवाद आपस के आपसी समन्वय की गति को बढ़ाने वाला साबित होगा। इस संवाद को कूटनीतिक स्वायत्तता की नई मिसाल की तरह देखा जा रहा है। वहीं, ब्रिक्स के नए सदस्य देशों के साथ भारत ने अपने पारंपरिक ऊर्जा संबंधों में सुधार करते हुए एक नए मैत्रीपूर्ण सेतु को तैयार करने का महत्वपूर्ण काम किया है। इस सम्मेलन की सफलता का प्रतिफलन यह है कि व्यापारिक नवोन्मेष और वित्तीय संप्रभुता के साथ आर्थिक और व्यापारिक मोर्चों पर भारत ने व्यापारिक लेन-देन में दूसरे देशों की मुद्रा पर निर्भरता कम करने की बात पर बल दिया है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच लोकल करेंसी सेटलमेंट सिस्टम को और मजबूत करने के साथ, देश से बाहर डिजिटल भुगतान प्रणालियों के आपसी जुड़ाव और वैश्विक ऊर्जा एवं आपूर्ति श्रृंखला को सुचारू बनाए रखने जैसे मुद्दों पर आपसी बातचीत से एक ऐतिहासिक सहमति बनती दिख रही है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि यह सम्मेल सामाजिक,आर्थिक, राजनैतिक,सांस्कृतिक,सामरिक,भौगोलिक और साहित्यिक जैसे अनेक क्षेत्रों के बीच पनप रही चेतना के अद्भुत संगम की तरह हमारे सामने खड़ा अपनी सफलता का जश्न मना रहा है। इसी के फलस्वरूप इस सम्मेलन में मानवीय सरोकारों के स्तर पर,भारत ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ब्रिक्स ग्रेन एक्सचेंजश् और महामारी से निपटने के लिए एक त्वरित वैक्सीन सहयोग नेटवर्क का प्रस्ताव भी रखकर महत्वपूर्ण पहल की है। ऐसे में हम यदि सांस्कृतिक और साहित्यिक के रूप में इस सम्मेलन की बात करें तो लंबे समय से वैश्विक अकादमिक विमर्श और राजनैतिक-ऐतिहासिक आख्यानों पर पश्चिमी जगत का एकाधिकार रहा है। भारत ने न केवल इस एकाधिकार के बरक्स सदस्य देशों के विचारकों, इतिहासकारों और साहित्यकारों को एक मंच प्रदान किया,बल्कि खुद भी इस एकाधिकार का हमेशा से विरोध करता चला आ रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य पूर्व और विकासशील देशों के अपने समृद्ध दर्शन, मत, वैचारिक सरोकार और समकालीन सामाजिक-साहित्यिक परिप्रेक्ष्य को वैश्विक मुख्यधारा में उनका सही व सम्मानजनक स्थान दिलाना था। इस ब्रिक्स सम्मेलन से यह संदेश संप्रेषित हुआ कि से सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से भारत एक मजबूत सहयोगी की तरह सबके साथ खड़ा है। क्योंकि इस सम्मेलन ने केवल वर्तमान की समस्याओं का समाधान नहीं किया,बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं की तरफ भी सबका ध्यान खींचा। ब्रिक्स देशों के इस मंच से भविष्य की नई संभावनाओं के साथ एक न्यायसंगत मंच का एकजुटता दिखाते हुए शक्ति की मौलिक संकल्पना के साथ उभरना एक ऐतिहासिक परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। इस मंच से एक वैकल्पिक वैश्विक शासन का ऐसा ढांचा बनाने में मदद मिली। जिसके फलस्वरूप आपसी सहयोग के मजबूत होने से भविष्य में एक ऐसा लोकतांत्रिक ढांचा तैयार हो रहा है,जो पश्चिमी देशों के एक तरफा प्रतिबंधों और संरक्षणवाद के खिलाफविकासशील देशों को एक सुरक्षा कवच बनकर उभरेगा साथ ही ब्रिक्स देशों ने इस मंच पर रिफार्मड लाइफश् और जलवायु परिवर्तन के सिद्धांतों को अपनाकर भविष्य में हरित ऊर्जा और पर्यावरण-अनुकूलन जैसे नवाचारों के लिए नए निवेश और संयुक्त अनुसंधान के नए द्वार खोलने का महती काम किया है। ब्रिक्स 2026 में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को लोकतंत्रीकरण की राह में चलने का आह्वान किया। इसकी सहायता से आने वाले समय में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ने और वैश्विक व्यापार में किसी एक मुद्रा के वर्चस्व से मुक्त होकर संतुलित और समावेशी रास्ता अपनाने पर जोर दिया। इस सम्मेलन के समूचे पहलुओं के आधार पर कहा जा सकता है कि भारत आज उस वैश्विक मुकाम पर अवस्थित है, जहां उसकी शांतिप्रियता कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी अटूट आर्थिक-सामरिक शक्ति और कूटनीतिक सामर्थ्य का परिचायक है। ऐसे में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की यह प्रसिद्ध पंक्तियां आज के सशक्त,समन्वयक और मध्यस्थ भारत की कूटनीतिक स्थिति पर सटीक बैठती प्रतीत होती हैं-क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल होध् उसका क्या जो दंतहीन विषरहित विनीत सरल हो।

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

ललित गर्ग
****

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है। 'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है

कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ 'सहायता से सशक्तिकरण' होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही।

क्या कड़े प्रावधान से डिजिटल फॉड पर लगेगा अंकुश?

-ओ.पी. पाल
****

भारत में तेजी से हो रहे डिजिटल बदलाव ने दूरसंचार उपकरणों, खासतौर से मोबाइल इंसान के लिए रोजमर्रा की जिंदगी, व्यापार और शासन (गवर्नेंस) का एक अभिन्न हिस्सा बना दिया है। आज हमारे मोबाइल नेटवर्क और डिवाइस डिजिटल पेमेंट, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं और नागरिकों पर केंद्रित विभिन्न डिजिटल पहलों को सीधे तौर पर समर्थन दे रहे हैं। जैसे-जैसे इन तकनीकों पर देश की निर्भरता बढ़ती जा रही है, वैसे ही हमारे दूरसंचार नेटवर्क और डिवाइस की सुरक्षा और अखंडता (इंटीग्रिटी) को कायम रखना भी बड़ी चुनौती है, जिसमें साइबर अपराध यानी डिजिटल फ्रॉड ने बड़े पैमाने पर पांव पसार रखे हैं। हालांकि भारतीय नागरिकों के लिए भारत सरकार का संचार साथी प्लेटफॉर्म एक शक्तिशाली सुरक्षा कवच के रूप में कार्य कर रहा है लेकिन डिजिटल फ्रॉड का दायरा भी कम नहीं हुआ है। शायद इसी चुनौती का मुकाबला करने की दिशा में भारत सरकार ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट के तहत दूरसंचार उपकरणों मोबाइल हैंडसेट और अन्य टेलीकम्युनिकेशन डिवाइस के आईएमईआई नंबर के साथ छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ नियमों को अत्यंत सख्त करते हुए कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। अब सवाल यही है कि क्या भारत सरकार द्वारा सख्त किये गये नियमों और प्रावधानों से देश में डिजिटल फ्रॉड पर लगाम लग पाएगी? भारत में आज की दूरसंचार यात्रा शानदार तकनीकी प्रगति और सामूहिक जिम्मेदारी, दोनों का अनूठा संगम नजर आता है। दूरसंचार विभाग के जुलाई के आंकड़ों के मुताबिक देश में सक्रिय वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबरों की संख्या 1,204.01 मिलियन के आंकड़े को पार कर चुकी थी। सब्सक्राइबरों की यह विशाल संख्या भारत के जुड़े हुए डिजिटल इकोसिस्टम के व्यापक दायरे को दर्शाती है। देश में लागू मजबूत कानूनी प्रावधान, उन्नत सरकारी वेरिफिकेशन टूल्स (जैसे संचार साथी और डिवाइस सेतु) और नागरिकों के बीच बढ़ती हुई तकनीकी जागरूकता मिलकर हमारे डिजिटल नेटवर्क को पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद बनाते हैं। इस डिजिटल भरोसे को बनाए रखने में सरकार, उद्योग जगत और आम यूजर्स प्रत्येक हितधारक की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। एक जागरूक, सतर्क और हर नियम से वाकिफ नागरिक ही किसी भी प्रकार के डिजिटल फ्रॉड और तकनीकी छेड़छाड़ के खिलाफ सबसे मजबूत सुरक्षा कवच साबित होता है। सरकार और समाज के निरंतर आपसी सहयोग से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी पूरी तरह सुरक्षित, संप्रभु और मजबूत बनी रहेगी देश में तीव्र डिजिटल विस्तार अपने साथ सुरक्षा से जुड़ी कई नई और जटिल चुनौतियां भी लेकर आया है। इनमें से एक सबसे गंभीर चिंता इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी (आईएमईआई) नंबर के गलत इस्तेमाल या उससे छेड़छाड़ से जुड़ी है, जिसकी वजह साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। आईएमईआई नंबर के साथ छेड़छाड़ या उसके अनधिकृत संशोधन के कारण बदली हुई पहचान वाले उपकरणों का इस्तेमाल आसान हो जाता है, जिससे दूरसंचार नेटवर्क पर किसी भी डिवाइस की असली पहचान करना बेहद कठिन हो जाता है। इस तरह की हरकतें कानून लागू करने वाली एजेंसियों, उपभोक्ता सुरक्षा और समग्र राष्ट्रीय नेटवर्क सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करती हैं। इसलिए, एक सुरक्षित, भरोसेमंद और मजबूत दूरसंचार इकोसिस्टम को बनाए रखने के लिए डिवाइस आइडेंटिफायर (पहचानकर्ताओं) की अखंडता को मजबूत करना आज के समय की सबसे बड़ी मांग है। टेलीकॉम नेटवर्क की भाषा आईएमईआई की तकनीकी बनावट और इसकी कार्यप्रणाली को समझना हर जागरूक नागरिक के लिए जरूरी है। आईएमईआई एक विशिष्ट 15 अंकों का नंबर होता है जो दुनिया भर के दूरसंचार नेटवर्क पर किसी भी मोबाइल डिवाइस की अनूठी पहचान करता है। आईएमईआई नंबर के शुरुआती आठ अंक %टाइप एलोकेशन कोड% (टीएसी) बनाते हैं, जो सीधे तौर पर डिवाइस के मॉडल या उसके विशेष प्रकार की पहचान करते हैं। %ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन% (जीएसएमए) टीएसी के वैश्विक आवंटन (एलोकेशन) की देखरेख करता है। जीएसएमए निर्माताओं और ब्रांड मालिकों को टीएसी जारी करता है, जिसके बाद विनिर्माता प्रत्येक डिवाइस को अलग और विशिष्ट आईएमईआई नंबर आवंटित करते हैं। आज के दौर में चलन में मौजूद डुअल-सिम फोन में आमतौर पर दो अलग-अलग आईएमईआई नंबर होते हैं यानी प्रत्येक सिम स्लॉट के लिए एक विशिष्ट पहचान संख्या है।भारत में बनने वाले सभी संबंधित दूरसंचार उपकरणों के आईएमईआई नंबरों को पहली बार बाजार में बेचने, उनकी टेस्टिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी) या अन्य किसी भी उपयोग से पहले सरकार के पास पंजीकृत कराना अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर मोबाइल डिवाइस इक्विपमेंट आइडेंटिफिकेशन नंबर (आईएमईआई) को हटाना, मिटाना या उसमें बदलाव करने का प्रयास करता है या फिर जानबूझकर ऐसे हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करना, निर्माण करना, उसकी तस्करी करना या उस पर नियंत्रण रखना, जिसके बारे में उसे यह ज्ञात हो कि उसका उपयोग आईएमईआई से छेड़छाड़ के लिए किया जाएगा, तो उसे उसे गंभीर अपराध माना जाएगा। छेड़छाड़ किए गए या कॉनफिगर किए जा सकने वाले आईएमईआई वाले उपकरणों को बेचना या उनका व्यापार करना सीधे तौर पर गंभीर कानूनी कार्रवाई को आमंत्रित करता है।भारत सरकार ने दूरसंचार इकोसिस्टम की पवित्रता, सुरक्षा और अखंडता को बनाए रखने के लिए एक अत्यंत मजबूत कानूनी ढांचा तैयार किया है।

टेलीकम्युनिकेशन एक्ट, 2023 में मोबाइल हैंडसेट और अन्य टेलीकम्युनिकेशन डिवाइस जैसे दूरसंचार उपकरणों के आईएमईआई नंबर के साथ छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ नियमों को सख्त करने के साथ अत्यंत सख्त और कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। मसलन इन प्रावधानों में धारा 42(3)(सी) के तहत किसी भी रूप में टेलीकम्युनिकेशन आइडेंटिफायर्स के साथ छेड़छाड़ करने पर पूरी तरह रोक लगाती है। वहीं धारा 42(3)(ई)=यह धारा धोखाधड़ी, जालसाजी या किसी अन्य व्यक्ति का रूप धरकर सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) या टेलीकम्युनिकेशन आइडेंटिफायर्स हासिल करने पर प्रतिबंध लगाती है। इन नियमों का उल्लंघन करने वाले दोषियों के लिए तीन साल तक की कैद, 50 लाख रुपये तक का भारी जुर्माना, या फिर ये दोनों सजाएं एक साथ हो सकती हैं। वहीं एक्ट की धारा 42(7) के अंतर्गत इस श्रेणी के सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती घोषित किए गए हैं।

मेषः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बृषभः- शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढ़ेगी।

कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास व

आंगनवाड़ी केंद्रों पर लाभार्थी महिलाओं की गोद भराई का कार्यक्रम हुआ आयोजित

लोक हस्तक्षेप समाचार

इटावा/महेवा। गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न विभागों के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में ग्राम पंचायत महेवा के मुख्यालय स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों पर लाभार्थी महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

बाल विकास परियोजना अधिकारी महेवा मनोरमा पांडेय के निर्देशन में तथा सुपरवाइजर मोनिका चौहान की मौजूदगी में महेवा प्राथमिक स्थित आंगनवाड़ी केंद्र प्रथम पर कार्यकत्री अंजली तिवारी के द्वारा लाभार्थी सोनम पत्नी रणवीर सिंह तथा आंगनवाड़ी केंद्र द्वितीय की कार्यकत्री सारधा कुशवाह के द्वारा दो लाभार्थी जिसमें नेहा राजपूत पत्नी सुनील राजपूत एवं आकांक्षा तिवारी पत्नी मोहित तिवारी की गोदभराई की गई सभी लाभार्थी महिलाओं को फल मिठाई वस्त्र आदि भेंटकर उनके स्वस्थ्य जीवन की कामना की गई ।इस दौरान सहायिका किरन कुमारी सहित लाभार्थियों के अभिभावक गण मौजूद रहे।

जिला पूर्ति कार्यालय में घूस का 'ट्रैप', 30 हजार लेते पूर्ति निरीक्षक समेत तीन दबोचे

राशन डीलर की शिकायत पर कानपुर की एंटी करप्शन टीम ने जिला पूर्ति कार्यालय में बिछाया जाल, रकम लेते ही दबोचे गए तीनों आरोपी

लोक हस्तक्षेप समाचार

इटावा। जिला पूर्ति कार्यालय में गुरुवार को कानपुर की एंटी करप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते पूर्ति निरीक्षक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई से कार्यालय में हड़कंप मच गया। पकड़े गए लोगों में बसरेहर के पूर्ति निरीक्षक योगेश वर्मा तथा प्राइवेट पीओएस कर्मचारी धर्म नारायण और पुष्पेंद्र शामिल हैं।चौबिया थाना क्षेत्र के मोहनपुर निवासी राशन डीलर ओम शरण ने एंटी करप्शन टीम कानपुर से रिश्वत मांगे जाने की शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। गुरुवार सुबह एंटी करप्शन प्रभारी श्रीकृष्ण मोहन के निर्देशन और निरीक्षक अर्चना शुक्ला के नेतृत्व में टीम जिला पूर्ति कार्यालय पहुंची। शिकायतकर्ता को 30 हजार रुपये के साथ कार्यालय भेजा गया।बताया गया कि जैसे ही शिकायतकर्ता ने रिश्वत की रकम दी, टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पूर्ति निरीक्षक योगेश वर्मा और दोनों प्राइवेट कर्मचारियों धर्म नारायण व पुष्पेंद्र को पकड़ लिया। टीम तीनों को हिरासत में लेकर सिविल लाइन थाने पहुंची, जहां करीब दो घंटे तक पूछताछ और लिखा-पढ़ी की गई। इसके बाद तीनों को कानपुर ले जाया गया।कार्रवाई के दौरान जिला पूर्ति कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल रहा। कर्मचारियों में भी खलबली मची रही। मामले में रिश्वत की रकम किस काम के लिए मांगी गई थी और तीनों की भूमिका क्या थी, इसकी जांच की जा रही है।

अशोक सिंहल का जन्मशताब्दी वर्ष उद्घाटन समारोह जीयू में होगा रविवार को

लोकेश कुमार

गुरुग्राम। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के तत्वावधान में राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता अशोक सिंहल के जन्मशताब्दी वर्ष का उद्घाटन समारोह का आयोजन आगामी 27 सितंबर, रविवार को सैक्टर 51 स्थित गुरुग्राम विश्वविद्यालय (जीयू) में किया जाएगा। विहिप के प्रांत अध्यक्ष राधेश्याम चिलाना और प्रांत मंत्री यशवंत शेखावत ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में कुलगुरु प्रो. संजय कौशिक शामिल होंगे और अध्यक्षता विहिप के केंद्रीय महामंत्री बजरंग लाल बागड़ा करेंगे। आयोजन में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता महामंडलेश्वर महंत नवल किशोर दास महाराज, स्वामी महामंडलेश्वर सत्यानंद गिरी महाराज, साध्वी महामंडलेश्वर आत्मचेतन गिरी महाराज, स्वामी महामंडलेश्वर आशुतोष महाराज, स्वामी महामंडलेश्वर सेवा दास महाराज, स्वामी महामंडलेश्वर मनोहर दास महाराज, स्वामी शिव ज्ञानानंद सरस्वती महाराज भी शामिल रहेंगे। उनका कहना है कि 27 सितंबर 1926 को उत्तर प्रदेश के आगरा में जन्मे श्रद्धेय अशोक सिंहल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के समर्पित प्रचारक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन हिंदू समाज को संगठित करने और राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय से 1950 में इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त करने वाले अशोक सिंहल ने ही ऐतिहासिक श्री राम जन्मभूमि आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर इसे जन-जन का आंदोलन बनाया था।

फेफना पहुंचे सपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील कुमार मौर्य का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। जनपद के फेफना में समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील कुमार मौर्य का गुरुवार को जोरदार स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार फेफना पहुंचने पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने पार्टी के समर्थन में नारे लगाए और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।सुनील कुमार मौर्य के स्वागत के लिए फेफना में कार्यकर्ता पहले से जुटने लगे थे। उनके पहुंचते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह नजर आया। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के साथ पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने का काम किया जाएगा।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष की स्वागत यात्रा रसड़ा क्षेत्र से शुरू हुई। यात्रा कई स्थानों से होते हुए फेफना पहुंची। इसके बाद सागरपाली और बहेरी होते हुए बलिया शहर पहुंची। जिला मुख्यालय पर भी पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सुनील कुमार मौर्य का स्वागत किया।

समाजवादी पार्टी ने 16 सितंबर को सुनील कुमार मौर्य को बलिया का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, वह लंबे समय से पार्टी से जुड़े हैं और संगठन में जिला उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष समेत कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।फेफना में स्वागत कार्यक्रम के दौरान सपा नेताओं ने कहा कि नए जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने पर काम किया जाएगा। पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने की बात भी कही गई।स्वागत कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक संग्राम सिंह यादव, रामगढ़ निवासी मदन यादव, सिंहपुर निवासी खेदन प्रसाद मौर्य और एकौनी निवासी शिव मोहन वर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बलिया के चांददियर में बनेगा अंतरराज्यीय बस टर्मिनल

यूपी-बिहार सीमा पर बसों का संचालन होगा आसान

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। जनपद के बैरिया तहसील क्षेत्र के चांददियर में 12 एकड़ में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) का निर्माण होगा। इसके तेजी से निर्माण के लिए प्रदेश सरकार ने 49 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा पर अंतरराज्यीय बस टर्मिनल का निर्माण कराने के लिए कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया था। उसके बाद परिवहन विभाग को इस परियोजना के लिए बैरिया के चांददियर में निश्शुल्क भूमि उपलब्ध करा दी गई है।लोकनायक जयप्रकाश नारायण के गांव सिताबदियारा से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर इसके निर्माण के लिए बाउंड्री का कार्य पूर्ण कर दिया गया है।

निर्माण होने के बाद बिहार, बंगाल और झारखंड समेत अन्य राज्यों के लिए बसों का संचालन आसान हो जाएगा।

ज़ी सिनेमा पर हँसी, गड़बड़ी और कंफ्यूजन का धमाल; 'पति-पत्नी और वो दो' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 26 सितंबर को

एजेंसी

मुंबई। हँसी, गड़बड़ियों और बढ़ते कंफ्यूजन से भरी शाम के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि ज़ी सिनेमा पर 'पति-पत्नी और वो दो' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर शनिवार, 26 सितंबर को रात 8 बजे होने जा रहा है। गलतफहमियों से शुरू होकर मजेदार हँगामे में बदलती यह फिल्म आयुष्मान खुराना को लीड रोल में लेकर आ रही है। 'ड्रीम गर्ल' में अपने अंदाज़ से दर्शकों का दिल जीत चुके आयुष्मान एक बार फिर अपने उसी चार्म और अंदाज़ के साथ नज़र आएँगे। उनके साथ सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी हैं, जो इस वीकेंड दर्शकों के लिए हँसी से भरपूर एंटरटेनमेंट लेकर आएँगी। भूषण कुमार, रेनू रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर जूनो चोपड़ा हैं। टी-सीरीज़ फिल्म्स और बी.आर. स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फिल्म कॉमेडी, कंफ्यूजन और दिल छू लेने वाले पलों का परफेक्ट मेल पेश करती है।फिल्म की कहानी उलझे हुए हालात, मजेदार कॉमिक टाइमिंग और गलत पहचान के इर्द-गिर्द घूमती है, जहाँ हर ट्विस्ट कंफ्यूजन और हँसी को और बढ़ाता जाता है। फिल्म की कास्ट में विजय राज़ भी हैं, जो आयुष्मान खुराना के साथ एक बार फिर नज़र आएँगे। दोनों की वह मजेदार कॉमिक केमिस्ट्री फिर देखने को मिलेगी, जिसे दर्शकों ने 'ड्रीम गर्ल' में खूब पसंद किया था। वहीं, तिग्मांशु धूलिया और दुर्गेश कुमार की शानदार कॉमिक टाइमिंग फिल्म के एंटरटेनमेंट को और बढ़ाती है।

रिश्तों पर आधारित कॉमेडी के लिए पहचाने जाने वाले मुदस्सर अज़ीज़ ने ऐसी फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई है, जिनमें ह्यूमर, दिल और कई किरदारों से पैदा होने वाला हँगामा देखने को मिलता है। 'पति-पत्नी और वो दो' के साथ वो एक बार फिर इसी अंदाज़ में लौटे हैं। फिल्म में शादीशुदा ज़िंदगी से जुड़े रोज़मर्रा के मजेदार पहलुओं, गलतफहमियों और रिश्तों की उलझनों के जरिए हंसी पैदा की गई है। इसके साथ ही मुदस्सर अज़ीज़ ने कॉमेडी जॉनर में हिंदी सिनेमा के भरोसेमंद फिल्ममेकर्स में अपनी जगह को एक बार फिर मजबूत किया है।

आयुष्मान खुराना ने कहा, 'ऐसी कॉमेडी

का हिस्सा बनने में एक अलग ही खुशी होती है, जहाँ किरदार और उनके बीच होने वाली गड़बड़ियाँ ही कहानी को आगे बढ़ाती हैं और यही बात 'पति-पत्नी और वो दो' को मेरे लिए इतना खास अनुभव बनाती है। 'ड्रीम गर्ल' जैसी कॉमेडी का हिस्सा बनने के बाद मैं जानता हूँ कि ऐसी कहानी के बीच में रहना कितना मजेदार होता है, जहाँ आपको पता ही नहीं होता कि अगला मोड़ क्या होगा। सारा, रकुल, वामिका और पूरी कास्ट जिस एनर्जी के साथ फिल्म में आई, उसने इस अनुभव को और खास बना दिया। मुझे खुशी है कि ज़ी सिनेमा इस फिल्म को वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर के जरिए दर्शकों के घर तक लेकर आ रहा है। यह बिल्कुल ऐसी फिल्म है, जिसे शनिवार की शाम पूरी फैमिली के साथ बैठकर हँसते हुए देखना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे उसी तरह एंजॉय करेंगे, जैसे हमने इसे बनाते वक्त किया था- ढेर सारी हँसी और खूब सारी गड़बड़ियों के साथ। ''पति-पत्नी और वो दो' को लेकर सारा अली खान ने कहा, 'मुझे 'पति-पत्नी और वो दो' की सबसे खास बात यह लगी कि इसमें होने वाला कंफ्यूजन बेहद मज़ेदार और बिल्कुल स्वाभाविक है। फिल्म में हर कोई एक-दूसरे को शानदार तरीके से गलत समझ रहा है और इसे निभाने में मुझे बहुत मज़ा आया। आयुष्मान, रकुल और वामिका के साथ काम करने का अनुभव भी शानदार रहा। हमारे हर सीन में एक अलग और अनपेक्षित एनर्जी थी, क्योंकि कॉमेडी से भरा कंफ्यूजन तभी मज़ेदार लगता है, जब सीन में मौजूद हर कलाकार उसे पूरी तरह एंजॉय करते हुए निभाए। मैं इस फैमिली एंटरटेनर के ज़ी सिनेमा पर आने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ। मुझे लगता है कि दर्शक फिल्म के हर ट्विस्ट और मोड़ का खूब मज़ा लेंगे और हमारे किरदारों के साथ हँसते हुए इस पूरे कंफ्यूजन का हिस्सा बनेंगे। '

वामिका गब्बी ने कहा, 'पति-पत्नी और वो दो सबसे मजेदार तरीके की कंफ्यूजन से भरी फिल्म है। हर किरदार को लगता है कि उसे पता है कि आखिर चल क्या रहा है, लेकिन असल में उनमें से हर कोई गलत है और यहीं से सारी मस्ती शुरू होती है। फिल्म में एक के बाद एक मजेदार गलतफहमियाँ होती हैं, जो धीरे-धीरे इतनी बड़ी हो जाती हैं कि पूरा मामला ही उलझ जाता है। मुझे इस पूरी गड़बड़ी में अपना किरदार निभाने में बहुत मज़ा आया। आयुष्मान, सारा और रकुल के साथ स्क्रीन शेयर करना भी बहुत खास रहा, क्योंकि ऐसी कॉमिक केमिस्ट्री तभी पर्दे पर सही उतरती है, जब वो असल में भी महसूस हो। मुझे बहुत खुशी है कि ज़ी सिनेमा इस फिल्म का टेलीविज़न प्रीमियर कर रहा है। इसका मतलब है कि अब और भी ज्यादा परिवार अपने लिविंग रूम में साथ बैठकर इस पूरी मस्ती और पागलपन का मज़ा ले पाएँगे। 'रकुल प्रीत सिंह ने कहा, 'मुझे 'पति-पत्नी और वो दो' की यह बात बहुत पसंद आई कि फिल्म कभी भी किसी किरदार या स्थिति को बेवजह नेगेटिव नहीं बनाती। मेरा किरदार गलतफहमियों के इस पूरे तूफान में फंस जाता है और यह दिखाना बहुत मजेदार था कि कैसे एक छोटी-सी गलतफहमी देखते ही देखते ऐसी स्थिति में बदल जाती है, जिसे संभालना मुश्किल हो जाता है।

पंजाब में सत्ता के केन्द्रों पर ईडी के छापों के विरोध में उतरी आप

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़ । पंजाब में ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) के पंजाब व चंडीगढ़ दफ्तरों में दो दिन से चल रही ईडी की रेड के बाद राजनीति उफान पर है। ईडी ने बुधवार की रात पंजाब के कैबिनेट मंत्री के भांजे के घर पर भी छापा मारा। गुरुवार की सुबह पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्?टू ने पंजाब के एक मंत्री के विदेश भागने का दावा किया। इस बीच आज आप कार्यकर्ताओं ने मोहाली स्थित गमाडा कार्यालय के बाहर धरना दिया। पंजाब सरकार बुधवार को आधी रात को हाईकोर्ट भी पहुंची।

पंजाब में ईडी द्वारा पिछले दो दिनों से गमाडा समेत कई जगहों पर छापे मारे जा रहे हैं। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी इसका विरोध कर रही है। ईडी ने मंगलवार सुबह मोहाली स्थित गमाडा दफ्तर में कार्रवाई शुरू की थी। ईडी ने इस संबंध में आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है लेकिन बताया जाता है कि एक आईएएस अधिकारी के आवास पर सर्च के दौरान भारी मात्रा में नकदी मिली है। इसके सेक्टर 39 में भी छापा मारा गया है जहां दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन रहते थे। इसी जांच के दौरान बुधवार को पंजाब के शहरी आवास एवं विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां के रिश्तेदार गुरप्रीत सिंह सैनी उर्फ प्रिंस के लुधियाना के साहनेवाल स्थित घर पर भी ईडी ने तलाशी ली। रिपोर्टों के अनुसार, वहां कार्रवाई दोपहर करीब ढाई बजे शुरू हुई और देर तक जारी रही। इस कार्रवाई के चलते बुधवार देररात पंजाब सरकार हाईकोर्ट में पहुंची। याचिका पर हाईकोर्ट ने ईडी की छापेमारी की निगरानी के लिए वारंट ऑफिसर नियुक्त किया। वारंट ऑफिसर को मौके पर जाकर छापेमारी की स्थिति देखने और इसकी रिपोर्ट अदालत में पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।ईडी की रेड के बीच पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व पंजाब के भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट से खलबली मचा दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में दावा किया है कि पंजाब का एक मंत्री देश छोड़कर भाग गया है। गुरुवार को आम आदमी पार्टी ने मोहाली में गमाडा दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। आप कार्यकर्ता जबरन गमाडा के दफ्तर में घुस गए, जहां सुरक्षाकर्मियों से उनकी धक्कामुक्की हुई। पंजाब में ईडी की कार्रवाई पर दिल्ली के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया ने भी तंज कसा। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा- ये ईडी वाले आजकल मोदी की डकैत सेना बनकर लोगों को डराते घूम रहे हैं। ताले तोड़कर लोगों के घरों में घुस रहे हैं, लेकिन इन डकैतों को कुछ मिल ही नहीं रहा। हर जगह से खाली हाथ वापस आना पड़ रहा है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि ईडी के माध्यम से पंजाब सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभी तक मारे गए छापों के दौरान ईडी को कहीं से कुछ नहीं मिला है।

जानकीपुरम में सड़क, पार्क व नाला निर्माण का विधायक डॉ. नीरज बोरा ने किया भूमि पूजन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ उत्तर विधानसभा क्षेत्र में जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आज जानकीपुरम एवं अयोध्या दास प्रथम वार्ड में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा द्वारा किया गया। इन कार्यों को लखनऊ विकास प्राधिकरण एवं विधायक निधि के माध्यम से पूर्ण कराया जाएगा।

जानकीपुरम के सेक्टर-एच स्थित उद्यानी पार्क में झूले, बाउंड्री वॉल, पाथवे की रंगाई-पुताई के कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इसके अलावा सेक्टर-आई स्थित अलीशा नगर कॉलोनी में आर.के.श्रीवास्तव के मकान के सामने जायसवाल जनरल स्टोर से डीपी सिंह के मकान तक तथा लेन नंबर-2 एवं 3 में बीएमएस डीवीसी द्वारा सड़क के सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु भूमि पूजन हुआ।

इसी क्रम में जानकीपुरम स्थित नहर रोड पर मीनावी इंटरप्राइजेज से मकान संख्या 54-ए, जानकीपुरम गार्डन एवं आसपास की गलियों में भी निर्माण एवं सुधार कार्य हेतु भूमि पूजन किया गया। इसके उपरांतअयोध्या दास प्रथम वार्ड के खदरा क्षेत्र में राजेंद्र त्रिपाठी के घर के निकट नाले का निर्माण कार्य का भूमि पूजन क्षेत्रीय विधायक द्वारा किया गया।

भूमि पूजन के अवसर पर विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, नाली, पार्क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों से स्थानीय नागरिकों को बेहतर आवागमन एवं नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संजय तिवारी, पार्षद राजकुमारी मौर्य, पार्षद प्रतिनिधि सौरभ तिवारी, सीके. वर्मा, आरके श्रीवास्तव, शिव प्रकाश शुक्ला, अर्जुन तोमर, अमित गुप्ता, कृपा शंकर मिश्रा, आशुतोष सिंह, मोनू सिंह, दीपू रावत सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बर्खास्त एआईजी राजजीत सिंह ने किया सरेंडर

एजेंसी अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, जांच में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की भूमिका समेत ड्रग तस्करी से जुड़े पहलुओं की पड़ताल के निर्देश दिए गए थे। राजजीत सिंह के खिलाफ2019 में आय से अधिक संपत्ति से संबंधित मामला और बाद में ड्रग्स से जुड़े मामले में कार्रवाई हुई थी। उन पर कथित तौर पर ड्रग मामलों में लोगों को फंसाने, वसूली करने और कथित ड्रग तस्करों को संरक्षण देने जैसे आरोपों की जांच हुई। इन आरोपों को अदालत और जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिएय आरोपों का अंतिम न्यायिक निर्धारण अलग विषय है। मई 2023 में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के समक्ष राज्य ने बताया था कि राजजीत सिंह को इंदरजीत सिंह से जुड़े मामले में सह-आरोपित बनाया गया है। अदालत के आदेश में एसआईटी रिपोर्ट के आधार पर उनकी भूमिका की जांच का उल्लेख है। राजजीत सिंह करीब साढ़े तीन साल से फरार बताए जा रहे थे। सितंबर 2026 में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में सरेंडर करने की पेशकश की थी।

हरियाणा में रंगदारी वसूली की घटना फिर हुई

तीन लाख रुपए न देने पर व्यापारी भाइयों पर हमला

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। हरियाणा में रंगदारी वसूली के अपराध थम नहीं रहे। अब प्रदेश के हिसार में 3 लाख रुपए की मासिक रंगदारी देने से इनकार करने पर दो व्यापारी भाइयों पर जानलेवा हमला कर दिया गया। दोनों के सिर और हाथ पर गंडासे और लोहे की रॉड से हमला किया गया। घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।वायरल वीडियो में 5-6 युवक हाथों में गंडासा, लोहे की रॉड और अन्य हथियार लेकर घर में घुसकर दोनों भाइयों पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। हमले में दोनों भाई घायल हुए हैं, जबकि एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे आई सी यू में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने बताया कि उन्हें घर के बाहर ही गाड़ी से निकालकर पीटा गया।

उधर, पीएलए चौकी इंचार्ज अनूप सिंह का कहना है कि पुलिस ने दोनों भाइयों के बयान दर्ज कर लिए हैं और आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया है।वीडियो में 5-6 युवक हाथों में गंडासा, लोहे की रॉड और चाकू लेकर घर में घुसते दिखाई दे रहे हैं। युवक अंदर मौजूद दोनों भाइयों पर हमला करते हैं। एक बुजुर्ग महिला उन्हें रोकने और बचाने का प्रयास करती है, लेकिन युवक नहीं रुकते। आसपास के लोग भी मौके पर दिखाई देते हैं, लेकिन हमले के दौरान कोई बीच-बचाव करता नजर नहीं आता।मारपीट के बाद कुछ युवक घर के बाहर गली में खड़े दिखाई दे रहे हैं। उनके हाथों में हथियार नजर आ रहे हैं। वीडियो में युवक हथियार लहराते हुए दिखाई देते हैं। वहीं, पीड़ितों के घर के बाहर कांच के टुकड़े और टूटा हुआ दरवाजा भी नजर आ रहा है। दोनों भाइयों की पहचान पटेल नगर निवासी सुनील (40) और सोनू (38) के रूप में हुई। दोनों घर के पास ही एक साथ परचून की दुकान चलाते हैं। दोनों को कई दिन से दबंग फोन कर मासिक रंगदारी देने को कहते थे, लेकिन ये हर बार इनकार कर देते थे। सोनू ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि कार्तिक और उसके साथी पिछले 3-4 महीनों से उन्हें परेशान कर रहे थे। आरोप है कि उनसे हर महीने 3 लाख रुपए मांगे जा रहे थे। सोनू के मुताबिक, आरोपियों ने पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। बुधवार शाम भी फोन कर पैसे देने का दबाव बनाया गया था। सोनू की पत्नी के मुताबिक, उनके पति ने कहा था कि उनके पास इतने पैसे नहीं हैं और वे इतनी बड़ी रकम कहां से लाएंगे। इसके कुछ देर बाद दोनों भाइयों को घेरकर हमला कर दिया गया। घायल सुनील की पत्नी ने बताया कि आरोपियों ने उसके पति और देवर पर डंडों और चाकू से हमला किया। हमले के बाद दोनों को अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावरों पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वे इलाके में पिस्तौल लेकर घूमते हैं।

ग्राम पंचायत की भूमि कराई गई कब्जा मुक्त

लोक हस्तक्षेप समाचार

इटावा/महेवा । विकास खंड क्षेत्र महेवा की ग्राम पंचायत मनियांमऊ में जिलाधिकारी इटावा शुभ्रांत कुमार शुक्ला के आदेशानुसार तथा श्रावस्ती मॉडल को अपनाते हुए खंड विकास अधिकारी महेवा के नेतृत्व में गौशाला /खलिहान की भूमि खाली कराकर उसे जुतवाया गया तथा उस पर गौवंश के प्रयोग के लिए नेपियर घास लगवाई गई ।

प्राप्त विवरण के अनुसार राजस्व विभाग के सहयोग से दो दिन पूर्व नाप जोख करके उक्त भूमि को ग्राम पंचायत के कब्जे में दिया गया था जिसे गुरुवार को खंड विकास अधिकारी महेवा ब्रजबिहारी त्रिपाठी की मौजूदगी में जोतकर उसमें धर्मपुर गौशाला के गौवंश के प्रयोग हेतु नेपियर घास लगवाई गई ग्रामीणों ने शासन प्रशासन के इस कार्य की प्रशंसा की है वहीं सरकारी जगहों पर कब्जे रखने वालो में हड़कंप की स्थिति है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर होगा तीन दिवसीय कार्यक्रम

25 सितंबर को हेल्दी बेबी प्रोग्राम

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा। राष्ट्रीय पोषण माह एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत 25 सितंबर को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।25 सितंबर को आंगनबाड़ी केंद्रों पर 7 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए हेल्दी बेबी प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं खान-पान को लेकर अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में पोषाहार से तैयार किए गए फल, मिठाई अथवा अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्री का वितरण किया जाएगा।

कार्यक्रम में संबंधित बच्चों के अभिभावक, आशा कार्यकत्री एवं आंगनबाड़ी केंद्र की सहायिका भी उपस्थित रहेंगी। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए हैं।उक्त जानकारी बाल विकास परियोजना अधिकारी महेवा मनोरमा पाण्डेय ने दी।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने किया धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं के साथ मंथन

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को गीता ज्ञान संस्थानम, कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2026 के आयोजन को लेकर कुरुक्षेत्र की धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने महोत्सव के आयोजन को लेकर अपने सुझाव एवं विचार मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। मुख्यमंत्री ने सभी संस्थाओं से मिलकर महोत्सव को भव्य, गरिमापूर्ण और जनभागीदारी से युक्त बनाने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला संदेश है। महात्मा गांधी के गीता संबंधी विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गांधी जी गीता को जीवन की कठिन परिस्थितियों और संघर्षों में मार्गदर्शन एवं सांत्वना देने वाला ग्रंथ मानते थे। इसी प्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गीता के कर्मयोग पर विशेष बल देते हुए कर्तव्य के प्रति निष्ठा और कर्म करते रहने का संदेश दिया। श्री अरविंद के विचारों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गीता का संदेश जीवन से विमुख होने का नहीं, बल्कि कर्म और आध्यात्मिक चेतना के माध्यम से जीवन को बेहतर दिशा देने का है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के माध्यम से गीता के इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास होना चाहिए। महोत्सव की प्रत्येक गतिविधि में गीता का संदेश केंद्र में रहे और यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति कुरुक्षेत्र की संस्कृति तथा गीता के संदेश को अपने साथ लेकर लौटे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र का वातावरण गीता की भूमि की गरिमा के अनुरूप स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित रहे, इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने 'स्वच्छ कुरुक्षेत्र, पवित्र कुरुक्षेत्र' को सामूहिक संकल्प बनाने का आह्वान किया। मंदिरों, आश्रमों, धर्मशालाओं, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने में सहयोग का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का स्वागत 'अतिथि देवो भवः' की भावना से किया जाए, ताकि प्रत्येक आगंतुक को कुरुक्षेत्र में अपनत्व और सम्मान का अनुभव हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र के सभी प्रमुख चौकों को महाभारत कालीन थीम पर विकसित किया जाएगा। इससे शहर के विभिन्न हिस्सों में कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि पूरी कुरुक्षेत्र नगरी गीता और भगवान श्रीकृष्ण की नगरी के भाव को प्रतिबिंबित करे।

मुख्यमंत्री ने धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से अपने-अपने स्तर पर महोत्सव की तैयारियों में सहयोग करने तथा अपने सुझाव प्रशासन के साथ साझा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संस्थाओं और नागरिकों की सहभागिता से ही महोत्सव को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दिया जा सकता है।इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाएं सद्भावना के साथ अ

'चलो शादी कर लेते हैं'

केबीसी में अमिताभ बच्चन ने सुनाया 53 साल पुराना किस्सा

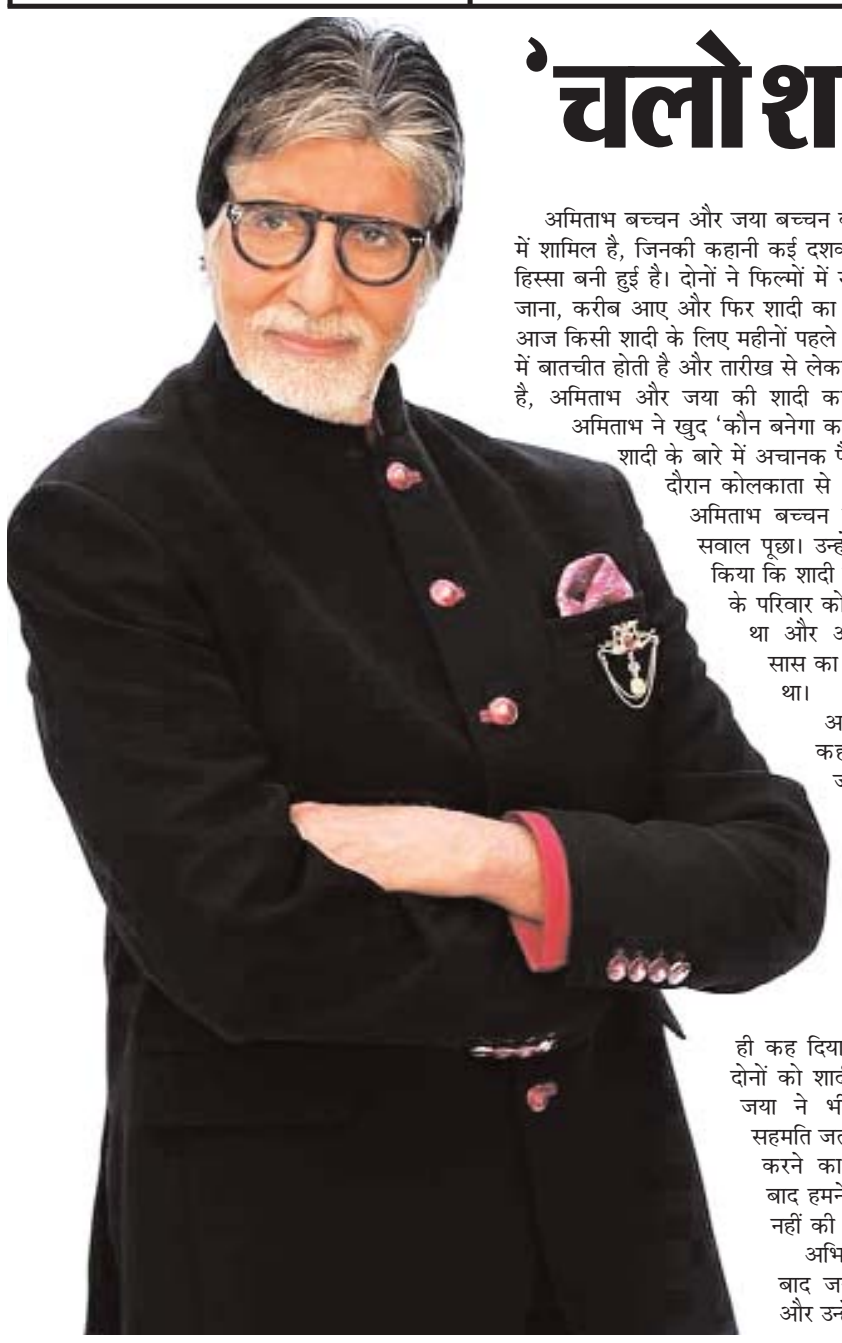

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की जोड़ी बॉलीवुड की उन जोड़ियों में शामिल है, जिनकी कहानी कई दशक बाद भी लोगों की दिलचस्पी का हिस्सा बनी हुई है। दोनों ने फिल्मों में साथ काम करते हुए एक-दूसरे को जाना, करीब आए और फिर शादी का फैसला किया। हालांकि जिस तरह आज किसी शादी के लिए महीनों पहले तैयारियां शुरू हो जाती हैं। परिवारों में बातचीत होती है और तारीख से लेकर कपड़ों तक की प्लानिंग की जाती है, अमिताभ और जया की शादी का किस्सा इससे काफी अलग है।

अमिताभ ने खुद 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में बताया कि दोनों ने शादी के बारे में अचानक फैसला लिया था। दरअसल, शो के दौरान कोलकाता से आई कंटेस्टेंट अहेली रॉय ने अमिताभ बच्चन से उनकी शादी से जुड़ा सवाल पूछा। उन्होंने बिग बी से सवाल किया कि शादी से पहले आपने जया के परिवार को किस तरह मनाया था और अपनी होने वाली सास का दिल कैसे जीता था।

अमिताभ ने कहा, ''हमने जया के परिवार से इस बारे में कोई खास बातचीत नहीं की थी। एक दिन मैंने जया से ही ऐसे ही कह दिया था कि अब हम दोनों को शादी कर लेनी चाहिए। जया ने भी मेरी इस बात पर सहमति जताई और हम दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया। इसके बाद हमने किसी और से इस बारे में बात नहीं की थी।''

अभिनेता ने कहा, ''शादी तय होने के बाद जया अपने माता-पिता के पास गई और उन्हें इस फैसले की जानकारी दी। मुझे आज भी यह नहीं पता कि जया ने अपने माता-पिता से उस समय ऐसा क्या कहा, जो वह सभी इस रिश्ते के लिए राजी हो गए और शादी में शामिल होने के लिए आ गए। इसके बाद थोड़ी बातचीत हुई और अगले ही दिन हम दोनों की शादी हो गई।''

अमिताभ ने आज के समय में होने वाली शादियों की लंबी तैयारियों पर भी अपने अंदाज में बात की। उन्होंने कहा, ''शादी के लिए तारीख तय करना, कपड़े चुनना, अलग-अलग जगहों पर जाना और कई तरह की तैयारियों में लगना मुझे जरूरी नहीं लगता। जब दो लोग एक-दूसरे को अपना मान लेते हैं, तो इससे बड़ी बात और कुछ नहीं होती।''

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन ने 3 जून 1973 को शादी की थी। दोनों की नजदीकियां फिल्मों में साथ काम करने के दौरान बढ़ी थीं। फिल्म 'जंजीर' दोनों के रिश्ते के लिए खास मानी जाती है। फिल्म की सफलता के बाद अमिताभ और जया ने अपने रिश्ते को शादी में बदलने का फैसला किया था।

उनकी शादी से जुड़ा लंदन का किस्सा भी काफी दिलचस्प है। 'जंजीर' की सफलता के बाद अमिताभ और जया अपने कुछ दोस्तों के साथ लंदन जाने की योजना बना रहे थे। अमिताभ ने पहले भी बताया है कि उनके पिता और मशहूर कवि हरिवंश राय बच्चन ने उनसे कहा था कि अगर वह जया के साथ लंदन जाना चाहते हैं तो पहले दोनों को शादी कर लेनी चाहिए। इसके बाद शादी का फैसला और जल्दी आगे बढ़ा।

जया बच्चन ने बाद में बताया था कि दोनों ने शुरुआत में अक्टूबर में शादी करने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में तारीख आगे कर दी गई। लंदन जाने की योजना से कुछ दिन पहले ही दोनों ने शादी कर ली। इस तरह उनकी शादी बिना किसी बड़ी तैयारी के बेहद सादगी से हुई और दोनों साथ जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए लंदन रवाना हो गए।

रियलिटी गेम शो में कंटेस्टेंट निशांत की बातें सुनकर अनिल कपूर को याद आईं कृष्णा कपूर

बताया सबसे अच्छी होस्ट

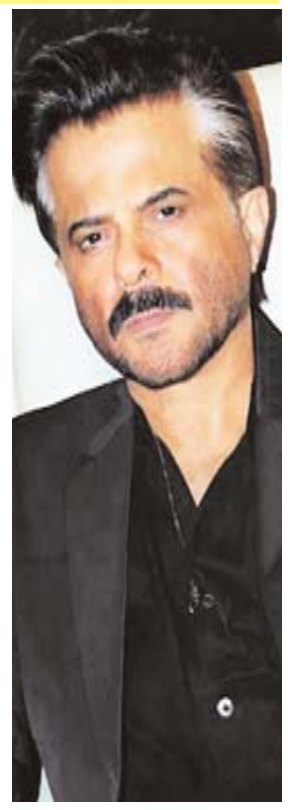

अभिनेता अनिल कपूर इन दिनों रियलिटी गेम शो 'इंडिया के टॉप 1% - द अनिल कपूर शो' में होस्ट के तौर पर नजर आ रहे हैं। शो में 1 करोड़ जीतने के बाद कंटेस्टेंट निशांत की बातें सुनकर उन्हें दिग्गज फिल्ममेकर राज कपूर की पत्नी कृष्णा कपूर की याद आ गई। अनिल कपूर ने उन्हें अब तक की सबसे अच्छी होस्ट बताया। दरअसल 1 करोड़ रुपए जीतने के बाद जब अनिल कपूर ने निशांत से जानना चाहा कि वह जीती हुई रकम का करेगा तो उन्होंने कहा कि वह पहले अपना होम लोन चुकाएंगे और फिर एक रेस्टोरेंट खोलेंगे। निशांत ने कहा, 'मुझे खाना बनाना नहीं आता, लेकिन मुझे लोगों को खिलाना बहुत पसंद है।'

निशांत की बातों ने अभिनेता अनिल कपूर को उनकी मां की करीबी दोस्त कृष्णा कपूर की याद दिला दी। कृष्णा कपूर के प्यार और मेहमाननवाजी को याद करते हुए अनिल कपूर ने बताया कि कैसे वह डाइनिंग टेबल पर बैठे सभी लोगों का प्यार से ख्याल रखती थीं, लगातार देखती रहती थीं कि उन्होंने ठीक से खाया है या नहीं और उन्हें अलग-अलग डिश ट्राई करने के लिए हिम्मत देती थीं।

अनिल कपूर कहते हैं, 'कृष्णा आंटी मेरी मम्मी की बेस्ट फ्रेंड थीं। ऋषि कपूर और रणधीर कपूर जी की मां, मेरे लिए मां जैसी थीं। मैंने अपनी जिंदगी में उनसे बेहतर होस्ट नहीं देखा। वो बड़े दिल और प्यार से सबको खाना खिलाती थीं। खिलाने में जो मजा है ना, मुझे लगता है वो खाने में भी नहीं है। इसलिए कहते हैं, दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है। '

तर्क-आधारित रियलिटी गेम शो 'इंडिया के टॉप 1% - द अनिल कपूर शो' अंतरराष्ट्रीय शो 'द 1% क्लब' का भारतीय रूपांतरण है। इसमें सामान्य ज्ञान (जीके) के बजाय तर्क (लॉजिक), सामान्य समझ और पैटर्न्स को पहचानने की क्षमता वाले कठिन सवाल पूछे जाते हैं। शो में 100 प्रतियोगी शुरुआत करते हैं। यह शो 19 सितंबर से हर शनिवार और रविवार रात 8:00 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित हो रहा है और इसे जियोहॉटस्टार पर भी प्रसारित हो रहा है।

अंगद बेदी ने शेयर की सफारी ट्रिप की यादें

नेहा धूपिया के साथ जिम सेल्फी ने खींचा ध्यान

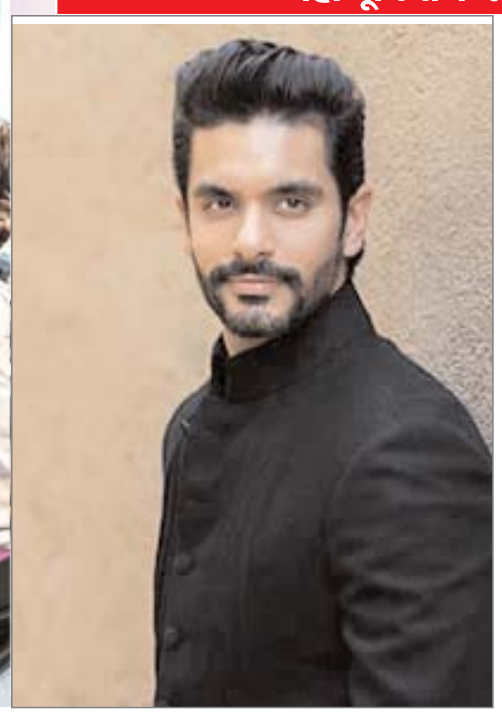

अभिनेता अंगद बेदी और उनकी पत्नी व अभिनेत्री नेहा धूपिया साथ में अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। बुधवार को अभिनेता अंगद बेदी ने पत्नी के साथ बिताए खास पलों की झलक शेयर की। अभिनेता ने कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अपनी सफारी ट्रिप और बर्थडे सेलिब्रेशन की यादें फैंस के साथ शेयर कीं। पहली तस्वीर में अंगद बेदी पगड़ी पहने मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अगली तस्वीर में वह अपनी पत्नी नेहा धूपिया के साथ जिम में सेल्फी लेते दिखे। इसके अलावा तस्वीरों में उनकी सफारी, कुछ अकेले पलों और परिवार के साथ बिताए पलों की झलक भी दिखी। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, 'यादें बनीं, तस्वीरें ली गईं... सफारी और बर्थडे के बीच दिल भर गया।' इस पोस्ट पर नेहा ने कमेंट में हार्ट इमोजी शेयर किया। अंगद अक्सर सोशल मीडिया पर अपने परिवार के साथ बिताए खास पलों, छुट्टियों और सेलिब्रेशन की झलक शेयर करते रहते हैं।

अंगद बेदी और नेहा धूपिया की पहली मुलाकात तब हुई थी जब नेहा 20 साल की थीं। अंगद उन्हें लगभग 8 साल तक पसंद करते रहे और शादी के लिए प्रयास करते रहे। बाद में नेहा के गर्भवती होने के बाद दोनों ने अचानक शादी का फैसला किया और गुरुद्वारे में आनंद कारज संपन्न हुआ। एक इंटरव्यू में अंगद ने बताया था कि जब वह नेहा के माता-पिता से उनका हाथ मांगने गए थे, तो उनके ससुर ने शुरू में मना कर दिया था।

इस जोड़ी के दो बच्चे हैं। उनकी बेटी मेहर का जन्म शादी के कुछ महीनों बाद हुआ था और बाद में उनके घर एक बेटे का भी जन्म हुआ। अंगद बेदी एक अभिनेता और पूर्व मॉडल हैं। वह भारत के दिवंगत महान क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी के बेटे हैं। अंगद ने 'पिंक', 'सूरमा' और 'डियर जिंदगी' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है।

84 साल की हुईं काजोल की मां तनुजा मुखर्जी, बेटियों ने खास अंदाज में दी बधाई

बंगाली और हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री और काजोल की मां तनुजा मुखर्जी बुधवार को अपना 84वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उनकी दोनों बेटियों काजोल और तनिषा ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेत्री काजोल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे अपनी मां को गले लगाती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'सबसे स्ट्रॉन्ग महिला को जन्मदिन की बधाई, जिसे मैं जानती हूं। वह बहुत अच्छी शिक्षिका हैं और उनकी मुस्कान बहुत प्यारी है। आपके लिए मेरा प्यार सदा रहेगा। आप आज भी 84 साल की उम्र में मुझे मार सकती हैं।' तनिषा मुखर्जी ने इंस्टाग्राम पर मां के साथ कुछ यादगार तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें दोनों के साथ में बिताए गए पल शामिल हैं। तनिषा ने मां के लिए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मेरी मम्मी! हमेशा मुझे संभालने और हर कदम पर मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के लिए शुक्रिया! तुम मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं हो। '

अनुपम खेर को जॉर्जिया के गवर्नर ने किया सम्मानित

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और फिल्ममेकर अनुपम खेर को सिनेमा, शिक्षा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए अमेरिका के जॉर्जिया राज्य के गवर्नर की ओर से खास प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस सम्मान में भारत और अमेरिका के बीच सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने में उनके योगदान का भी जिक्र किया गया है। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर इस खास पल की तस्वीरें और वीडियो शेयर कर अपनी खुशी जाहिर की। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिनमें वह जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में सम्मान हासिल करते नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में वह गवर्नर ब्रायन पी. केम्प के साथ दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरी तस्वीरों और वीडियो में सम्मान समारोह की झलक देखने को मिल रही है। इस दौरान गवर्नर की पत्नी और फर्स्ट लेडी मार्टी केम्प भी मौजूद रहीं। अनुपम ने इस मुलाकात को यादगार बनाने के लिए उन्हें वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर की रुद्राक्ष माला भी भेंट की।

'ढिंढोरा 2' को बनाने में भुवन बाम ने की कड़ी मेहनत, बताया- 'कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर करना पड़ा दोबारा काम'

कंटेंट क्रिएटर और एक्टर भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज 'ढिंढोरा' के दूसरे सीजन का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुई इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था। अब, 'ढिंढोरा 2' एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने कहा कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में भुवन बाम ने 'ढिंढोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, ''सीरीज 'ढिंढोरा' मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है।''

भुवन के कहा, ''ढिंढोरा 2' में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है,

हरियाली के बीच नारंगी सूट में दिखीं नम्रता शिरोडकर, बोलीं-आलसी नारंगी दोपहर

अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर हर साल गणेश चतुर्थी के उत्सव में बप्पा का तहे दिल से स्वागत करती हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने गणेश विसर्सन की खास झलक पेश की, जिसमें उन्होंने बताया कि उनका दिन हंसी, ढेर सारी बातों और अपनों के साथ बीता। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे नारंगी रंग के लिबास में नजर आ रही हैं। तस्वीरों में वह हरियाली से घिरी एक आरामदेह दोपहर का आनंद लेती दिखीं। तस्वीरों में उनके घर और उसके आसपास के शांत माहौल की भी झलक मिली। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए बताया कि पूरे हंसी और ढेर सारी बातों के बाद गणेश विसर्जन संपन्न हुआ। अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर ने लिखा, 'आलसी नारंगी दोपहर। '

उन्होंने आगे लिखा, ' खूब सारी हंसी, अंतहीन बातें और कोई प्लान नहीं। बस वैसा ही दिन जिसे आप हमेशा के लिए सहेजकर रखना चाहें। दिन का अंत गणपति विसर्जन के साथ किया... भरे हुए दिल और प्यार, खुशी और नई शुरुआत की छोटी सी प्रार्थना के साथ, एक बेहद खूबसूरत सूर्यास्त के बीच कुछ दिन बस अच्छे लोगों के साथ, सुकून भरे पलों और खूबसूरत यादों के लिए होते हैं। गणपति बप्पा मोरया। '

एक्ट्रेस ने अपने घर में भी गणेश चतुर्थी मनाई थी और गणेश विसर्जन की झलक भी शेयर की थी, जिसमें परिवार समेत सभी शामिल थे। परिवार को विसर्जन के दौरान रस्मों में हिस्सा लेते और गणपति बप्पा को विदाई देते देखा गया था।

भारत ए महिला क्रिकेट टीम को दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ए ने दो विकेट से हराया

सीरीज 1-1 से बराबरी पर पहुंची

नई दिल्ली एजेंसी। भारत ए महिला क्रिकेट टीम को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ए के हाथों 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इसी सीरीज का पहला मैच भारतीय टीम ने जीत था। वहीं दूसरे मैच में जीत से ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। ऐसे में अब शुक्रवार को होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मुकाबले पर सभी की नजरें रहेंगी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने यास्तिका भाटिया के शतक से एक बड़ा स्कोर बनाया पर इसके बाद भी टीम जीत हासिल करने में विफल रही। भारतीय टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने केवल 84 गेंदों में 16 चौकों और दो छक्कों की सहायता से 112 रन बनाये। इसके अलावा तेजल हसबनीस और अनुष्का शर्मा ने भी 60-60 रन बनाये। इन शानदार प्रदर्शनों से भारत ए ने 6 विकेट के नुकसान पर 338 रन बनाये। वहीं पारी के अंत में निक्की प्रसाद 0 और मीनू मणि 3 के कम रनों में आउट होने से भारतीय टीम के रनों पर अंकुश लग गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन ने सबसे ज्यादा 39 रन देकर तीन विकेट लिए। इससे भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लग गया। वहीं 339 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ए की बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत की। उनके शीर्ष चार बल्लेबाजों में से तीन ने अर्धशतक लगाये। कप्तान तहलिया विल्सन ने 77 गेंदों पर 79 रन बनाये। वहीं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अनिका लेरॉयड ने 29 गेंदों में 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 54 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। विल्सन और लेरॉयड के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई अहम साझेदारी ने सलामी बल्लेबाज निकोल फाल्टम के जल्दी आउट होने के शुरुआती झटके से टीम को उबारने में मदद की। इसके बाद चार्ली नॉट ने भी आक्रमण जारी रखा और केवल 37 गेंदों में 7 चौकों और 3 छक्कों की बदौलत 63 रन बनाकर मैच में अपनी पकड़ बना ली। वहीं निचले क्रम में टेस फ्लिंटॉफ 38, हेले सिल्वर-होम्स 47 और मिली इलिंगवर्थ ने नाबाद 22 रन रन बनकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को अंतिम ओवर में 3 गेंदें शेष रहते हुए 2 विकेट से जीत दिला दी। भारतीय गेंदबाजी असफल रही। केवल मीनू मणि ने ही 10 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं सयाली सतघरे और निक्की प्रसाद ने भी 2-2 विकेट लिए पर वह , ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को रोकन में विफल रहीं।

सतनाम सलमान को डबल स्कल्स में मिला कांस्य

एशियाई खेल 2026: सुमित चोटिल होने के कारण राउंड ऑफ-16 से बाहर हुए

नागोया एजेंसी। यहां जारी एशियाई खेलों में भारतीय मुक्केबाज सुमित कुंडू पुरुषों के 70 किग्रा भार वर्ग में चोटिल होने के कारण राउंड ऑफ-16 से बाहर हो गये। सुमित को इराक के अली अल-सराय के खिलाफ मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। सुमित को शुरुआती दो दौर में शानदार बढ़त बनाने और कई ताकतवर पंच लगाने के बाद भी तीसरे राउंड की शुरुआत में रिंग में फिसलने के कारण घुटने में चोट लग गई थी। इससे रेफरी को मुकाबला रोकना पड़ा और सुमित को हारा हुआ घोषित कर दिया गया। अचानक लगी इस चोट से सुमित के हाथ आया मैच फिसल गया जबकि वह पहले दो दौर में विपक्षी पर हावी थे। वहीं इससे पहले, सुमित ने थाईलैंड के बुंजोंग सिनसिरी को प्रारंभिक मुकाबले में 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर राउंड ऑफ-16 में प्रवेश किया था। उस मुकाबले में भी उन्होंने धैर्य और आक्रमण का अच्छा संतुलन दिखाते हुए अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन किया पर भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया। इसके अलावा पुरुषों के डबल स्कल्स फाइनल में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने 6:13.25 का समय निकाला। यह प्रदर्शन चीन के स्वर्ण विजेता यी शुदी और नी यिदे से 3.48 सेकंड पीछे और रजत पदक जीतने वाले मेखरोजबेक ममातकुलोव और पावेल सोरिन से 2.76 सेकंड पीछे रहा। गौरतलब है कि सतनाम और सलमान ने 500 मीटर, 1000 मीटर और 1500 मीटर के निशान तक दूसरा स्थान बनाए रखा था। एक समय भारतीय जोड़ी चीन की टीम से सिर्फ आधे सेकंड पीछे थी। हालांकि, फाइनल चरण में भारतीय जोड़ी की गति थोड़ी कम हुई और वह स्वर्ण व रजत पदक की दौड़ से बाहर हो गई। इसके बावजूद उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया। दूसरी ओर पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में भारत के बालराज पंवार चौथे स्थान पर रहे। बालराज 500 मीटर, 1000 मीटर और 1500 मीटर तक दूसरे स्थान पर रहे हालांकि, आखिरी 500 मीटर में उज्बेकिस्तान के शाखबोज खोलमुरजाएव और जापान के तत्सुया सकुरामा ने उन्हें पीछे छोड़

जहीर ने सीएसके का कोच पद संभाला

चेन्नई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के नए हेड कोच बन गये हैं। जहीर ने कोच पद संभाल लिया है। जहीर से पहले स्टीफन फ्लेमिंग पिछले 18 साल से सीएसके के कोच थे। पद संभालते ही, जहीर टीम के दो युवा तेज गेंदबाजों, गुरजपनीत सिंह और खलील अहमद से भी मिले और भविष्य की रणनीतियों और गेंदबाजी विभाग को मजबूत करने पर बात की। फ्लेमिंग हाल ही में इंग्लैंड के टेस्ट कोच का पदभार संभालने के बाद सीएसके से अलग हुए थे। जहीर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में भारतीय टीम की ओर से 92 टेस्ट, 200 एकदिवसीय और 17 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। विशेष रूप से, 2011 विश्व कप में 21 विकेट लेकर वह भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 2024 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से भी खेला था। इससे पहले वह लंबे समय तक मुंबई इंडियंस के कोच रहे थे। सीएसके के पूर्व कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और मालिक रूपा गुरुनाथ सहित प्रमुख सदस्य इस बार एक भारतीय कोच चाहते थे। इसी कारण जहीर को ये जिम्मेदारी दी गयी है। नए कोच के आने से टीम को पिछले सीज़न के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरने की उम्मीद है। पिछली बार आईपीएल में सीएसके 14 मैचों में से केवल छह में जीत हासिल की, जबकि आठ मुकाबलों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। एक समय टीम प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई थी, लेकिन निर्णायक क्षणों में वह पिछड़ गई और अंततः अंतिम चार में जगह बनाने से चूक गई। इन घटनाक्रमों के बीच ही सीएसके मैच फिक्सिंग से जुड़े संगीन आरोपों का भी सामना कर रही है।

मैरी कॉम का भावुक खुलासा: एक समय 'आत्महत्या करना चाहती थी

मुम्बई । छह बार की विश्व चैंपियन और ओलंपिक पदक विजेता मैरी कॉम ने कहा है कि एक समय वह अपनी परेशानियों से इतनी टूट गयी थी कि अपना जीवन तक समाप्त करना चाह रही थी पर बच्चों के कारण रुक गयी। मैरी कॉम ने जीवन के सबसे भयावह और निजी संघर्ष का खुलासा करते हुए ये बातें बिग बॉस 20 के घर में साथी कंटेस्टेंट्स ईशा रिखी, रीति तिवारी और कनिका मान से कही। देश की एक विजेता मुक्केबाज मैरी को सबसे मजबूत माना जाता था पर वह अपने में इतना दर्द समेटे थी ये कोई नहीं जानता था। अपनी यात्रा के दौरान आए भावनात्मक उतार-चढ़ाव को लेकर इस महिला मुक्केबाज ने कहा कि एक समय वह पूरी तरह टूट गई थीं। उस मुश्किल दौर को याद करते हुए मैरी ने कहा कि वह एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई थीं जहां उन्होंने अपनी जान देने के बारे में भी सोचा था। साथ ही कहा, मैं बहुत मजबूत हूं लेकिन उस साल, मैं थोड़ी कमज़ोर पड़ गई थी। इस कारण मैं टूट गई थी। मुझे बहुत कुछ करना था। मैरी ने अपने अंदर चल रहे गहरे संघर्ष के बार में बताते हुए कहा, मैं अपनी जान देना चाहती थी। मैं यही सोच रही थी। लेकिन मैं आज भी अपने बच्चों के लिए जिंदा हूं, वे छोटे थे। यह उनके बच्चों के प्रति उनका अगाध प्रेम और जिम्मेदारी की भावना ही थी जिसने उन्हें उस कठिन समय में एक नई उम्मीद दी और जीवन को गले लगाने का साहस प्रदान किया।

रोशिबिना ने एशियाई खेलों की वुशु स्पर्धा में रजत पदक जीता

नागोया एजेंसी। भारत की वुशु खिलाड़ी रोशिबिना देवी ने एशियाई खेलों की महिला वुशु स्पर्धा के 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता है। यहां हुए एक रोमांचक फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन की शियाओयू झांग के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा है। इससे उन्हें रजत पदक ही मिल पाया। इसी के साथ ही रोशिबिना का ये एशियाई खेलों में तीसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले साल 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में कांस्य और 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। रोशिबिना ने शुरुआत से ही बेहतरीन खेल दिखाते हुए क्वार्टर फाइनल में मकाऊ की चू मैन सिन को 5-0 से हराया। इससे उनका पदक पक्का हो गया। इसके बाद सेमीफाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया की थानिया कुसुमनिंगत्यास को 2-0 से हराया। वह एशियाई खेलों में वुशु में दूसरी बार रजत पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं। रोशिबिना के इस पदक के साथ ही एशियाई खेलों में वुशु में भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़क 11 हो गई है, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और आठ कांस्य पदक शामिल हैं।

गोवा में होगी 2027 आईपीएल सत्र के लिए नीलामी : धूमल

मुम्बई एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की साल 2027 सत्र की नीलामी भारत में ही होगी। ये नीलामी गोवा में होगी। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा है कि दिसंबर के मध्य में गोवा में यह मिनी निलामी होगी। पिछले तीन सत्र के बाद विदेश में आयोजित होने के बाद नीलामी इस बार अपनी ही धरती पर होगी। धूमल ने कहा, हमने नीलामी के लिए गोवा तय कर दिया है। नीलामी 15 और 16 दिसंबर को हो सकती है। यह वापसी इसलिए भी खास है क्योंकि अंतिम बार 2022 में ही आईपीएल नीलामी भारत में हुई थी। वहीं पिछले तीन चरणों की बात करें तो साल 2023 और 2024 की नीलामी दुबई और अबू धाबी में हुई थी। वहीं 2022 की नीलामी जेद्दा में आयोजित की गयी थी। इस बार भारत में नीलामी आयोजित करने का कारण बताते हुए धूमल ने कहा कि हर साल प्रयास रहता है कि नीलमी भारत में ही हो पर शादियों के सत्र के चलते सही जगह नहीं मिल पाती है। इस बार मिनी नीलामी होने के कारण उम्मीद है कि गोवा में आसानी से जगह मिल जाएगी। नीलामी से पहले फ्रेंचाइजी अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुटी हुई हैं। इस मिनी नीलामी में कुछ टीमों के पास बड़ा पर्स होगा, जिससे वे अपने दल में बड़ा बदलाव करना है। तीन बार की आईपीएल विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) सबसे अधिक रकम के साथ नीलामी में उतर सकती है। आईपीएल का 2026 सत्र नीलामी के लिए सही नहीं रहा है। इससे फ्रेंचाइजी कई बड़े और महंगे खिलाड़ियों को रिलीज करने जा रही है। केकेआर तकरीबन 65 करोड़ रुपये खिलाड़ियों पर लगा सकती है। वहीं दूसरी ओर पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए भी पिछला सत्र अच्छा नहीं रहा है। सीएसके करीब 44 करोड़ रुपये के पर्स के साथ नीलामी में उतरेगी। ऐसे में केकेआर और सीएसके के बीच कुछ मैच- विजेता खिलाड़ियों को हासिल करने के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। इनके अलावा, लखनऊ सुपर जायंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें भी कुछ अहम खिलाड़ियों को अपने खेमे में शामिल करने की पूरी कोशिश करेंगी जिससे वे आगामी सीजन के लिए एक संतुलित और मजबूत टीम बना सकें।

जो रूट के भाई बिली रूट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

लंदन । इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट के भाई बिली रूट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बिली राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाये पर घरेलू क्रिकेट में बेहद सफल रहे हैं। उन्होंने 11 साल के पेशेवर क्रिकेट करियर के बाद संन्यास लिया है। बिली ने अपना अंतिम मुकाबला 15 सितंबर को ग्लेमोर्गन की ओर से सरे के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्होंने 22 रन बनाए थे। यह दिन उनके लंबे और संघर्षपूर्ण क्रिकेट सफर का अंतिम पड़ाव था।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।
****
टेलीफैक्स : 0522.3564414
फोन: 919839666352
आर.एन.आई.:
UPHIN/2004/18844
डाकपंजीयन :-
जी-2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004-5
E-mail:
lokhastakshep@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा बरकरार

शीर्ष-10 में शामिल हैं तीन भारतीय

दुबई एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी छाये हुए हैं। शीर्ष 10 में से तीन भारतीय हैं। भारतीय खिलाड़ी एकदिवसीय और टी20 दोनो ही प्रारुपों में अपनी जगह बनाते दिखे हैं। कुल 16 खिलाड़ी अलग-अलग प्रारुपों की शीर्ष-10 रैंकिंग में शामिल हैं, जिनमें से तीन भारतीय खिलाड़ी अपनी-अपनी श्रेणी में नंबर-1 एक स्थान पर कायम हैं। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दो अलग-अलग प्रारुपों की शीर्ष-10 रैंकिंग में छाये हुए हैं। टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव आया है। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद टीम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में चौथे स्थान पर फिसल गई है। वहीं खिलाड़ियों की व्यक्तिगत रैंकिंग बनी हुई है। ऑलराउंडरों की र्स की सूची में रवींद्र जडेजा पहले स्थान पर बरकरार हैं जबकि युवा ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर भी छठे स्थान पर ही हैं। बल्लेबाजी में विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दोनों सातवें जबकि गेंदबाजी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चौथे पायदान के साथ एकमात्र भारतीय हैं जो शीर्ष टॉप-10 में बने हुए हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में भारतीय टीम ने अपना नंबर एक स्थान बनाये रखा है। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल बल्लेबाजी रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं। वहीं विराट कोहली तीसरे और कप्तान रोहित शर्मा चौथे स्थान पर मौजूद हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में अक्षर पटेल नौवें स्थान पर हैं, जबकि गेंदबाजों में स्पिनर कुलदीप यादव भी इसी पायदान पर अपनी जगह बनाए हुए हैं। टी20 में भी भारतीय टीम छायी हुई है।

गुस्से में लिए फैसलों से वक्त के पहले समाप्त हुआ रायुडू का कैरियर

हैदराबाद एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू भारतीय टीम के एक ऐसे बल्लेबाज रहे हैं। जो बेहद प्रतिभाशाली थे पर अपने मिजाज गर्म के कारण और अप्रत्याशित फैसलों से उनका करियर समय से पहले ही समाप्त हो गया। भारतीय क्रिकेट इतिहास में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे होंगे, जिनकी पहचान उनके खेल के साथ-साथ उनके बागी तेवरों के लिए भी बनी हो और उनमें से अंबाती रायुडू एक ऐसे ही खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई बार अपने गुस्से और जल्दबाजी में लिए गए फैसलों से अपने ही करियर को नुकसान पहुंचाया। क्रिकेट के खेल में संयम का बहुत महत्व होता है, और रायुडू के करियर को देखकर यह बात बखूबी समझी जा सकती है। कभी बीसीसीआई से पंगा, कभी विश्व कप टीम से बाहर होने पर तत्काल संन्यास का ऐलान, और कभी-कभी मैदान के बाहर भी गुस्से में आकर विवादों में घिरना। ये सभी घटनाएं उनके नाम के साथ जुड़ गईं। हालांकि, इन विवादों के बावजूद, एक बल्लेबाज के रूप में उनकी क्षमता पर कभी सवाल नहीं उठाया गया। वह एक बेहतरीन क्रिकेटर थे, जिनमें भारत के लिए लंबा खेलने की काबिलियत थी। उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ शायद 2019 एकदिवसीय विश्व कप टीम का चयन रहा। मध्यक्रम में भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जा रहे रायुडू को अचानक टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह ऑलराउंडर विजय शंकर को मौका मिला। चयनकर्ताओं के इस फैसले से आहत होकर, रायुडू ने तुरंत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया। यह रायुडू के गुस्से और बगावती तेवर का ही परिणाम था कि उन्होंने उस समय ऐसा बड़ा फैसला लिया। बाद में उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी की कोशिश की पर तब तक भारतीय टीम के दरवाजे उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो चुके थे। यह पहली बार नहीं था जब रायुडू ने नियमों को चुनौती दी हो। साल 2007 में उन्होंने बीसीसीआई द्वारा अवैध घोषित की गयी इंडियन क्रिकेट लीग (आईसीएल) में खेलने का फैसला किया था। इस बागी लीग में शामिल होने के कारण बीसीसीआई ने उन्हें और अन्य खिलाड़ियों को प्रतिबंधित कर दिया था। यह वही दौर था जब आईसीए के जवाब में आईपीएल की नींव रखी गई, जो आज क्रिकेट की दुनिया का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। हालांकि, बाद में बीसीसीआई की माफी योजना के तहत उनकी गलती माफ कर दी गई, और उन्हें दोबारा घरेलू क्रिकेट में खेलने की अनुमति मिली।भारतीय टीम के लिए रायुडू ने कुल 55 एकदिवसीय और 6 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने कई बार अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया, लेकिन उनके गर्म मिजाज ने हमेशा उनके करियर को छोटा कर दिया। एक परिपक्व मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में उनकी कमी टीम इंडिया में अक्सर महसूस की गई।

पाकिस्तान की अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक, 10 स्थानों पर सटीक हमले किए गए

पाकिस्तान एजेंसी। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के सरकारी चैनल ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान ने बुधवार सुबह अफगानिस्तान से अपने एयरस्पेस में घुस रहे आठ ड्रोन को मार गिराया। गुरुवार सुबह इस घोषणा के बाद अफगानिस्तान के तोलुअ न्यूज (टोलो न्यूज) ने खोस्त के गवर्नर के प्रवक्ता मुस्तगर गुरबज के हवाले से बताया, पाकिस्तान के हमले सुबह करीब 3:30 बजे हुए और गुरबज जिले में कैंप गुलान के अलावा इस्माइल खेल और मंदोजी जिलों के कुछ इलाकों को निशाना बनाया गया। गुरबज के मुताबिक हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ।संघीय सूचनामंत्री तरार ने 'एक्स' पोस्ट में आरोप लगाया कि 23 सितंबर को अफगानिस्तान की ओर से पाकिस्तान में ड्रोन भेजे गए। यह ड्रोन अफगान तालिबान के थे। इनमें से चार तोरखम बॉर्डर से सटे इलाकों में मार गिराए गए, जबकि बाकी चार कोहाट से सटे पहाड़ी बॉर्डर इलाकों में नेस्तनाबूद कर दिए गए।अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सिद्दीकुल्लाह नुसरत ने पाकिस्तान के आरोपों से इनकार किया है। इससे पहले 21 सितंबर को पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने अफगान बॉर्डर इलाके में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और उससे जुड़े समूह के ठिकानों को निशाना बनाया। इस हमले में

आत्मघाती हमलावर और 28 आतंकी मारे गए। इस पर अफगान तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने 'एक्स' पोस्ट में कहा कि अफगान इस हमले का जवाब देगा।द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अताउल्लाह तरार ने एक्स हैंडल पर लिखा, आत्मरक्षा के अपने संप्रभु अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान ने अफ़गानिस्तान में उन 10 जगहों पर सटीक हवाई और ड्रोन हमले किए, जिनका इस्तेमाल इन ड्रोन्स को लॉन्च करने और स्टोर करने के लिए किया जा रहा था।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अफगानी तालिबान सरकार और उसके प्रतिनिधियों के सामने अफगानी जमीन पर आतंकवादी ठिकानों और उनके सपोर्ट नेटवर्क की मौजूदगी को लेकर अपनी गंभीर चिंताएं बार-बार जाहिर की है। इसे तालिबान सरकार ने कभी गंभीरता से नहीं लिया। तरार ने कहा कि पाकिस्तान अफगान इलाके से होने वाले हमलों को न तो स्वीकार करेगा और न ही बर्दाश्त करेगा।

तरार ने कहा, पाकिस्तान अफगान तालिबान शासन से अपील करता है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ सभी शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को तुरंत बंद करे और अफगान धरती से काम करने वाले आतंकवादी संगठनों के खिलाफ प्रभावी, ठोस, सत्यापन योग्य और निरंतर कार्रवाई करके अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को पूरा करे। पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने या शत्रुतापूर्ण अभियान चलाने के लिए अफगान इलाके का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।मंत्री तरार ने कहा कि पाकिस्तान तनाव नहीं बढ़ाना चाहता और क्षेत्रीय शांति, बातचीत और रचनात्मक जुड़ाव के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिबद्धता को कमजोरी या शत्रुतापूर्ण कार्यों के प्रति असीमित सहनशीलता नहीं समझा जाना चाहिए। तरार ने कहा, पाकिस्तान पूरी दृढ़ता के साथ अपनी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अपने नागरिकों की जान की रक्षा करेगा और उनकी सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। अफगान तालिबान की ओर से किसी भी और उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा और दृढ़ जवाब दिया जाएगा।

सीमा-पार उग्रवाद का इतिहास

पाकिस्तान मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में सीमा-पार आतंकवादी घटनाओं में भारी वृद्धि देखी गई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान में। इस्लामाबाद ने बार-बार काबुल से आग्रह किया है कि वह अपने इलाके का इस्तेमाल आतंकवादी संगठनों द्वारा पाकिस्तान के अंदर हमले करने के लिए न होने दे। पाकिस्तान का कहना है कि अफगान तालिबान अधिकारी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमलों के लिए जिम्मेदार समूहों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहे हैं, जबकि काबुल ने इस बात का खंडन किया है।पाकिस्तान ने फरवरी, 2026 में 'ऑपरेशन गजब लिल-हक' शुरू किया, जो अक्टूबर, 2025 में कई सीमावर्ती इलाकों में झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम पर सहमति बनने के कुछ महीनों बाद हुआ। कई दौर की बातचीत के बावजूद, इस्लामाबाद और काबुल अभी तक अपने मतभेदों को सुलझा नहीं पाए हैं और अफगान धरती से काम करने वाले आतंकवादी समूहों का मुद्दा दोनों पक्षों के बीच विवाद का मुख्य कारण बना हुआ है।

गोबर से बनेगी गैस और कचरे से बंपर कमाई, हिमाचल में हरित ऊर्जा का नया मॉडल तैयार

शिमला, एजेंसी। हिमाचल में गौशालाओं, डेरियों और बागवानी कचरे से अब हरित ऊर्जा बनाने के साथ ग्रामीण आर्थिकी को भी नई दिशा देने की तैयारी है। केंद्र सरकार के कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) सेक्टर के लिए घोषित 3000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज में हिस्सेदारी के लिए प्रदेश सरकार ने प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।सरकार की ओर से 300 से 500 करोड़ रुपये तक का प्रस्ताव केंद्र को भेजे जाने की संभावना है। इस संबंध में राज्य सचिवालय से पत्र ग्रामीण विकास निदेशालय पहुंच गया है। केंद्र ने गोबर, पराली और जैविक कचरे से सीबीजी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए यह पैकेज घोषित किया है। सहायता राशि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी।

61वें वर्ष में और भव्य होगी श्री दुर्गा रामलीला, भूमि पूजन के साथ शुरू हुआ मंच निर्माण

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम। शहर में रामलीलाओं की तैयारियों में रामलीला कमेटियां जुट गई हैं और कलाकारों की रिहर्सल भी निरंतर जारी है। इसी क्रम में जैकबपुरा की श्री दुर्गा रामलीला कमेटी ने भी रामलीला मैदान में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन किया। के साथ ही भव्य मंच निर्माण का कार्य शुरू हो गया। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी, कलाकार और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। कमेटी के प्रधान लवली सलूजा ने बताया कि श्री दुर्गा रामलीला इस वर्ष अपने 61वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार रामलीला को पहले से अधिक भव्य और दिव्य बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार मंच को भी विशाल और आकर्षक रूप दिया जाएगा तथा रामलीला का मंचन नई भव्यता और आधुनिक तकनीक के साथ किया जाएगा। कमेटी का प्रयास है कि इस वर्ष दर्शकों को कुछ नया और अलग देखने को मिले। रामलीला को अलग अंदाज, अलग साज और सिनेमेटिक प्रस्तुति के साथ दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। अत्याधुनिक लाइटिंग, एलईडी स्क्रीन, भव्य सेट और दमदार साउंड सिस्टम के माध्यम से दर्शकों को त्रेतायुग की अनुभूति कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार रामलीला में स्थानीय प्रतिभाओं के साथ प्रोफेशनल कलाकार भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। मुख्य किरदारों में स्थानीय और प्रोफेशनल कलाकारों की यह जुगलबंदी मंचन को और प्रभावशाली बनाएगी। सभी कलाकार पिछले करीब एक महीने से दिन-रात रिहर्सल में जुटे हुए हैं और देर रात तक अभ्यास किया जा रहा है, ताकि मंचन में किसी प्रकार की कमी न रहे। रामलीला के मीडिया प्रभारी राज सैनी बिसरवाल ने बताया कि इस बार की रामलीला में तकनीक और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। एक ओर पारंपरिक संवाद, भजन और धार्मिक प्रसंग होंगे, वहीं दूसरी ओर सिनेमेटिक दृश्य, विशेष लाइटिंग और धुएं के प्रभाव के माध्यम से समुद्र मंथन, लंका दहन और रावण वध जैसे प्रसंगों को अधिक जीवंत और प्रभावशाली बनाने का प्रयास किया जाएगा। कमेटी के प्रबंधन, संरक्षक, सदस्यों ने बताया कि रामलीला के दौरान सुरक्षा और दर्शकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के बैठने के लिए अलग व्यवस्था की जाएगी। साथ ही पूरे रामलीला परिसर में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था भी की जाएगी। लवली सलूजा ने शहरवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में रामलीला मैदान पहुंचकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और संस्कारों का दर्शन करें तथा श्री दुर्गा रामलीला को सफल बनाने में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि रामलीला केवल एक नाटक नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और संस्कारों का जीवंत प्रतीक है।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'लोक हस्तक्षेप' के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की।

विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।

सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें।

लोक हस्तक्षेप The power of truth

lokhastakshepcorp@gmail.com

WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप
The power of truth
वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली

21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली